संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-22 अंक- 99
पृष्ठ 8
शनिवार
27 दिसम्बर 2025
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- बिना मेकअप के पाएं ग्लोइंग स्किन....

विचार- राष्ट्र निर्माण की दिशा में बड़े ...

खेल- मेलबर्न में पहले दिन का खेल खत्म....

12 लाख तक की आय टैक्स फ्री : पीएम मोदी

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के आर्थिक परिदृश्य में बड़े बदलावों के संकेत देते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को साफ कर दिया कि सरकार के सुधारों का सिलसिला थमने वाला नहीं है। प्रधानमंत्री ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि आने वाले समय में सुधारों की यह प्रक्रिया और भी अधिक जोश और ताकत के साथ जारी रहेगी। सरकार का मुख्य फोकस ईज ऑफ लिविंगश यानी आम जनता के जीवन को आसान बनाने पर है। शुक्रवार को केंद्र सरकार की ओर से साझा की गई सुधारों की उपलब्धियों पर प्रतिक्रिया देते हुए पीएम मोदी ने यह बात कही। यह बयान ऐसे समय में आया है जब सरकार टैक्स, लेबर और कॉर्पोरेट कानूनों में बड़े बदलावों को लागू कर चुकी है।

मिडिल क्लास को बड़ी राहत

सरकार की ओर से जारी आंकड़ों और प्रधानमंत्री के वक्तव्य से साफ है कि 'इनकम टैक्स

एक्ट 2025' का सबसे बड़ा लाभार्थी मध्यम वर्ग है। अब 12 लाख रुपये तक की सालाना आय पर कोई टैक्स नहीं लगता है। इसका सबसे बड़ा फायदा यह है कि मध्यम वर्ग के परिवारों के हाथ में खर्च और निवेश के लिए अधिक पैसा बच रहा है। इससे अर्थव्यवस्था में खपत बढ़ रही है। नए टैक्स कानून ने कर प्रणाली को पारदर्शी और निष्पक्ष बनाया है, जिससे करदाताओं को कानूनी पचड़ों से मुक्ति मिली है।

छोटे उद्योगों के लिए खुली राहें

सरकार की ओर से जारी रिपोर्ट में कहा गया है कि व्यापारिक जगत के बारे में कहा गया कि छोटे व्यवसायों को अब लाभ खोने के डर के बिना आगे बढ़ने की आजादी है। नई छोटी कंपनियों की परिभाषा का विस्तार किया गया है। अब 100 करोड़ रुपये तक के टर्नओवर वाले उद्यमों पर अनुपालन का बोझ कम कर दिया गया है। इससे MSMEs को अपना विस्तार करने, नई भर्तियां करने और लोकल एंटरप्राइजेज को ग्लोबल बनाने में मदद मिल रही है।

श्रम कानूनों में ऐतिहासिक बदलाव

कारोबारी धारणा (बिजनेस सेंटिमेंट) को सुधारने की दिशा में सरकार ने पुराने और जटिल कानूनों को खत्म किया है। 29 अलग-अलग श्रम कानूनों को मिलाकर अब केवल 4 लेबर कोड बनाए गए हैं। इससे न केवल कंपनियों के लिए नियम मानना आसान हुआ है, बल्कि श्रमिकों के अधिकारों और महिलाओं के लिए मातृत्व सुरक्षा को भी सुनिश्चित किया गया है।

जीएसटी सुधार और रिकॉर्ड तोड़ बिक्री

सरकार ने अपनी रिपोर्ट में जीएसटी को और सरल बनाने का दावा किया है। टैक्स स्लैब में सुधार और ऑटोमेटेड रिफंड प्रक्रिया ने ईज ऑफ डूइंग बिजनेस को बढ़ावा दिया है।

● पीएम बोले- सुधारों की रफ्तार अब और तेज होगी

इसका सीधा असर बाजार में भी दिख रहा है। सुधरती अर्थव्यवस्था का प्रमाण दिवाली के दौरान 6.05 ट्रिलियन रुपये की रिकॉर्ड बिक्री है। इस बार नवरात्रि के दौरान पिछले एक दशक में सबसे मजबूत खरीदारी दिखी।

ग्रामीण भारत और बुनियादी ढांचा

सुधारों का दायरा केवल शहरों तक सीमित नहीं है। ग्रामीण रोजगार अब केवल मजदूरी तक सीमित नहीं है, बल्कि यह स्थायी संपत्ति बनाने पर केंद्रित है। गांव के इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने पर जोर दिया जा रहा है, जिससे ग्रामीण आजीविका बेहतर हो रही है। प्रधानमंत्री का यह संदेश स्पष्ट करता है कि सरकार का जोर जटिलताओं को खत्म कर परिणामों पर है। आने वाले दिनों में विवाद समाधान को और तेज करने और कानूनों को गैर-आपराधिक बनाने की दिशा में और बड़े कदम उठाए जा सकते हैं।

वीर बाल दिवस पर साहिबजादों को नमन

सीएम योगी के आवास पर हुआ कीर्तन समागम

लखनऊ, संवाददाता। वीर बाल दिवस (साहिबजादा दिवस) के अवसर पर शुक्रवार को पूरे देश में श्री गुरु गोबिंद सिंह जी महाराज के चारों साहिबजादों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर लखनऊ स्थित मुख्यमंत्री आवास पर श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी के पावन स्वरूप का आगमन हुआ और कीर्तन समागम का आयोजन किया गया। इस मौके पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री ने कहा कि गुरु गोबिंद सिंह जी महाराज के चार साहिबजादों की शहादत अदम्य साहस, धर्मनिष्ठा और राष्ट्रभक्ति की अमर गाथा है। उनका बलिदान युगों-युगों तक देशवासियों को कर्तव्यनिष्ठ, सत्यनिष्ठ और राष्ट्र के लिए समर्पित जीवन जीने की प्रेरणा देता रहेगा। इस अवसर पर गुरु तेग बहादुर जी के 350वें शहीदी वर्ष के अंतर्गत भी विशेष कार्यक्रम आयोजित किए गए। मुख्यमंत्री आवास पर आयोजित कीर्तन समागम में श्रद्धालुओं ने बड़ी संख्या में सहभागिता की और गुरुवाणी के माध्यम से साहिबजादों के बलिदान को स्मरण किया। उधर, उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि साहिबजादों का अद्वितीय साहस, अटूट आस्था और अन्याय के विरुद्ध अडिग संकल्प मानव इतिहास में वीरता और त्याग का अमर प्रतीक है। उनका जीवन और बलिदान आने वाली पीढ़ियों को सत्य, धर्म और राष्ट्ररक्षा के मार्ग पर निरंतर प्रेरित करता रहेगा। गौरतलब है कि राष्ट्र 26 दिसंबर को वीर बाल दिवस मनाता है। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देशभर में आयोजित कार्यक्रमों के माध्यम से बच्चों से संवाद करेंगे, प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार विजेताओं से बातचीत करेंगे और देश के बच्चों को संबोधित करेंगे।

रक्षा मंत्रालय से प्रमुख स्वदेशी परियोजनाओं को मंजूरी

नई दिल्ली, एजेंसी। रक्षा मंत्रालय की सर्वोच्च खरीद संस्था, रक्षा अधिग्रहण परिषद यानी डीएसी की बैठक में कई अहम फैसले लिए गए हैं। सूत्रों के अनुसार, भारतीय रक्षा बलों के लिए प्रमुख स्वदेशी परियोजनाओं को मंजूरी देने के लिए यह बैठक हुई। इन परियोजनाओं में दिल्ली एनसीआर क्षेत्र को हवाई खतरों से बचाने के लिए स्वदेशी एकीकृत वायु रक्षा हथियार प्रणाली भी शामिल है। भारतीय सेना की ड्रोन क्षमताओं

को बढ़ाने के उद्देश्य से, रक्षा मंत्रालय लगभग 850 लोइटरिंग मुनिशन्स (लॉइटरिंग मुनिशन्स) खरीदने का निर्णय ले सकता है। भारतीय नौसेना द्वारा अपने युद्धपोतों पर मंडरा रहे खतरों का मुकाबला करने के लिए स्वदेशी स्रोतों से बड़ी संख्या में मध्यम दूरी की सतह से वायु में मार करने वाली मिसाइल प्रणालियों की खरीद के प्रस्ताव पर भी चर्चा होने की संभावना है। बैठक में भारत अमेरिका से लगभग तीन वर्षों के लिए दो सी गार्जियन MQ-9B HALE ड्रोन लीज पर लेने पर भी निर्णय लेगा। भारत पहले ही इन ड्रोनों में से 31 के लिए समझौता कर चुका है, जिनके 2028 से भारत में आने शुरू होने की उम्मीद है। रक्षा मंत्रालय की ओर से भारतीय वायु सेना के लिए 200 किलोमीटर से अधिक मारक क्षमता वाली बड़ी संख्या में एस्ट्रा मार्क 2 वायु-से-वायु मिसाइलों के विकास और खरीद को मंजूरी दिए जाने की संभावना है। इसके साथ ही निश्चित संख्या में मेटियोर वायु-से-वायु मिसाइलों की खरीद भी शामिल है। भारतीय सेना रक्षा क्षेत्र की एक सार्वजनिक इकाई के माध्यम से 200 टी-90 टैंकों का स्वदेशी नवीनीकरण करने का भी प्रस्ताव कर रही है। भारतीय वायु सेना के लिए इस्राइल से बड़ी संख्या में स्पाइस-1000 वायु-से-जमीनी मिसाइलों पर भी बैठक में चर्चा होने की संभावना है। इस्राइल एयरक्राफ्ट इंडस्ट्रीज को एकमात्र विक्रेता बनाकर छह मिड-एयर रिफ्यूलर विमानों की खरीद पर भी चर्चा होगी।

मुर्मु ने 20 बहादुर बच्चों को प्रतिष्ठित प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार प्रदान किये

नयी दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने विभिन्न क्षेत्रों में 18 राज्यों के 20 साहसी बच्चों को उनकी असाधारण उपलब्धियों के लिए प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार से सम्मानित किया है। श्रीमती मुर्मु ने शुक्रवार को यहां विज्ञान भवन में एक समारोह में इन बच्चों के उनके असाधारण कार्यों के लिए प्रतिष्ठित राष्ट्रीय पुरस्कार प्रदान किये। राष्ट्रपति ने पुरस्कार पाने वाले बच्चों को बधाई देते हुए कहा कि पुरस्कार विजेता बच्चों ने अपने परिवारों, अपने समुदायों और पूरे देश को गौरवान्वित किया है। उन्होंने उम्मीद जताई कि सम्मान पाने वाले इन बच्चों से देश के अन्य सभी बच्चे प्रेरित होंगे। राष्ट्रपति ने कहा कि लगभग 320 वर्ष पूर्व, सिख पंथ के दसवें गुरु और सभी भारतवासियों के लिए पूजनीय गुरु गोबिन्द सिंह जी और उनके चारों बेटों ने सत्य और न्याय के पक्ष में युद्ध और संघर्ष करते हुए बलिदान दिया था। इस दिन हम सब उनके दो सबसे छोटे साहिबज़ादों का स्मरण करते हैं जिनकी वीरता का सम्मान देश-विदेश में किया जाता है। श्रीमती मुर्मु ने कहा "मुझे यह जानकर बहुत खुशी हुई है कि सभी पुरस्कार विजेता बच्चों ने अलग-अलग क्षेत्रों में असाधारण योगदान दिये हैं। वीरता, कला एवं संस्कृति, पर्यावरण, नवोचार, विज्ञान तथा तकनीकी, समाज-सेवा और खेल-कूद जैसे विभिन्न क्षेत्रों में आपकी असाधारण बाल-प्रतिभा का परिचय प्राप्त हुआ है। उन्होंने खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि पुरस्कार पाने वाले बच्चों ने वीरता, कला एवं संस्कृति, पर्यावरण, नवाचार, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, सामाजिक सेवा और खेल जैसे विभिन्न क्षेत्रों में अपनी असाधारण प्रतिभा का प्रदर्शन किया है। उनका कहना था कि सात वर्षीय वाका लक्ष्मी प्रग्निका जैसे प्रतिभाशाली बच्चों के कारण ही भारत विश्व पटल पर शतरंज की महाशक्ति माना जाता है। अजय राज और मोहम्मद सिदान पी. ने अपनी वीरता और सूझबूझ से दूसरों की जान बचाकर अत्यंत प्रशंसनीय काम किया है। इसी तरह से नौ वर्षीय बेटी व्योमा प्रिया और ग्यारह वर्षीय बहादुर बेटे कमलेश कुमार ने अपने साहस से दूसरों की जान बचाते हुए अपने प्राण गंवा दिए। राष्ट्रपति ने कहा कि यह गौरव की बात है कि दस वर्षीय श्रवण सिंह ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान युद्ध से जुड़े जोखिमों के बावजूद अपने घर के पास सीमा पर तैनात भारतीय सैनिकों को नियमित रूप से पानी, दूध और लस्सी पहुंचाई।

बंगलादेश में हिंदुओं की हत्या के मामलों की भारत ने निंदा की

नयी दिल्ली, एजेंसी। भारत ने बंगलादेश में हिंदू समुदाय के एक और व्यक्ति की हत्या की निंदा करते हुए कहा है कि घटना में शामिल अपराधियों के खिलाफ शीघ्र कार्रवाई की जानी चाहिए। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने यहां शुक्रवार को संवाददाताओं से कहा कि भारत बंगलादेश में एक और हिंदू की हत्या की घोर निंदा करता है। बंगलादेश की अंतरिम सरकार के बनने के बाद से अब तक हत्या, आगजनी और जमीन हड़पने की 2900 घटनाएं सामने आ चुकी हैं। उन्होंने कहा कि भारत की मांग है कि अपराधियों को न्याय के कठघरे में लाया जाए। बंगलादेश नेशनलिस्ट पार्टी के नेता तारिक रहमान की बंगलादेश वापसी पर उन्होंने कहा कि भारत वहां स्वतंत्र, निष्पक्ष और समावेश चुनाव का पक्षधर है। इसके साथ ही भारत स्थिर और शांतिपूर्ण बंगलादेश चाहता है और अपने इस पड़ोसी देश के साथ संबंधों को मजबूत करना चाहता है। प्रवक्ता ने कहा कि भारत का मानना है कि चुनाव में सभी दलों की हिस्सेदारी होनी चाहिए। गौरतलब है कि बीते कुछ दिनों में बंगलादेश में हिंदू समुदाय के दो लोगों की हत्या कर दी गयी है।

मोहन भागवत बोले : भारत को सिर्फ महाशक्तिनहीं, 'विश्व गुरु' बनने का समय आया

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भगवत ने शुक्रवार को तिरुपति स्थित राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय में भारतीय विज्ञान सम्मेलन (बीवीएस) के उद्घाटन सत्र में भाग लिया और भारत के लिए अंधविश्वासों से उबरने, क्षेत्रीय भाषाओं में ज्ञान को बढ़ावा देने और विकास में संतुलन बनाए रखने की आवश्यकता पर बल दिया। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री नारा चंद्रबाबू नायडू भी इस कार्यक्रम में उपस्थित थे। कार्यक्रम में बोलते हुए भगवत ने कहा कि

हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि लोग पुराने अंधविश्वासों से बाहर निकलें, और यह बात उन लोगों पर भी लागू होती है जो नए अंधविश्वासों में फंसे हुए हैं। हमारे प्राचीन मंदिरों की वास्तुकला ऐसी है कि वे अनेक आपदाओं से बचे रहे। हम पिछले दस हजार वर्षों से पारंपरिक तरीकों से खेती करते आ रहे हैं और मिट्टी आज भी वैसी ही बनी हुई है। आरएसएस प्रमुख ने जोर देकर कहा कि भारत को न केवल महाशक्ति बनना है, बल्कि विश्व गुरु भी बनना है। उन्होंने आगे कहा कि लेकिन अब, उत्पादन बढ़ाने की आवश्यकता के कारण, पंजाब से जयपुर तक 'कैंसर ट्रेन' चल रही है। भारत का विकास होना तय है क्योंकि यह समय की मांग है। लेकिन भारत को न केवल महाशक्ति बनना है, बल्कि विश्व गुरु भी बनना है। शिक्षा और वैज्ञानिक जागरूकता के महत्व पर बोलते हुए भागवत ने कहा, "हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि ज्ञान सभी तक पहुंचे। अपनी मातृभाषा में सीखना बहुत प्रभावशाली होता है। विज्ञान का ज्ञान भारत की विभिन्न भाषाओं में आम आदमी तक पहुंचाया जाना चाहिए।" आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री की विकास संबंधी प्रशंसा करते हुए भागवत ने यह भी कहा, "मुख्यमंत्री (एन चंद्रबाबू नायडू) ने जो कहा है वह महत्वपूर्ण है, विकास ऐसा नहीं होना चाहिए जिससे समाज में दो अलग-अलग वर्ग बन जाएं।"

उन्नाव बलात्कार मामला : कुलदीप सेंगर की जमानत पर बवाल, महिलाएं बोलीं- यह अन्याय है, न्याय चाहिए

नई दिल्ली, एजेंसी। उन्नाव बलात्कार मामले में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) से निष्कासित नेता कुलदीप सिंह सेंगर को सशर्त जमानत दिए जाने के दिल्ली उच्च न्यायालय के फैसले को लेकर शुक्रवार को लोगों ने अदालत के बाहर विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारी अदालत परिसर के पास जमा हुए और जमानत आदेश के विरोध में नारे लगाते हुए अपनी आवाज उठाई। ये विरोध प्रदर्शन उन्नाव बलात्कार पीड़िता और उसके परिवार द्वारा सेंगर की जेल की सजा को निलंबित किए जाने पर व्यक्त की गई गंभीर चिंताओं के बीच हो रहे हैं। प्रदर्शनकारियों, जिनमें से अधिकांश महिलाएं थीं, ने बड़ी संख्या में इकट्ठा होकर सेंगर की सजा निलंबित करने के फैसले पर

सवाल उठाते हुए नारे लगाए। पुलिस कर्मियों को भारी संख्या में तैनात किया गया था और प्रदर्शनकारियों से शांति बनाए रखने का आग्रह किया गया था क्योंकि इलाके में कानून के तहत प्रतिबंध लागू थे। सभा को संबोधित करते हुए महिला कार्यकर्ता योगिता भयाना ने कहा कि यह विरोध प्रदर्शन उनके द्वारा वर्णित घोर अन्याय के खिलाफ एक शांतिपूर्ण अपील है। उन्होंने कहा कि आज हम उच्च न्यायालय में शांतिपूर्वक अपील करने आए हैं कि हमारी बेटी के साथ हुए अन्याय को रद्द किया जाए और हमारी याचिका पर सुनवाई की जाए। अगर हमें न्याय नहीं मिला, तो हम विरोध करेंगे और यह हमारा अधिकार है। कांग्रेस नेता मुमताज पटेल ने भी इस आदेश की आलोचना करते हुए इसे एक खतरनाक मिसाल बताया। उन्होंने कहा, "यह एक बड़ा झटका है। जिस तरह से उच्च न्यायालय ने एक तकनीकी खामी के आधार पर सेंगर को छूट दी है, उससे न केवल पीड़ित परिवार बल्कि पूरे देश की महिलाओं का विश्वास हिल जाएगा।" पीड़िता की मां ने भावुक होकर जमानत याचिका को सिरे से खारिज कर दिया और सुप्रीम कोर्ट जाने की योजना की घोषणा की। उन्होंने कहा, "उनकी जमानत याचिका खारिज होनी चाहिए। हम सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाएंगे। हमें हाई कोर्ट पर से भरोसा उठ गया है। अगर हमें वहां न्याय नहीं मिला, तो हम दूसरे देश चले जाएंगे।" उन्होंने अपने पति की हिरासत में हुई मौत के मामले में कड़ी सजा की भी मांग की।

लाल किला बम धमाका: एनआईए ने बढ़ाई दो मुख्य आरोपियों की रिमांड, बड़े खुलासे की उम्मीद

नई दिल्ली, एजेंसी।विशेष अदालत ने लाल किले में हुए घातक बम विस्फोट मामले में राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) द्वारा जांच किए जा रहे दो प्रमुख आरोपियों की हिरासत बढ़ा दी, जबकि आतंकवाद विरोधी एजेंसी हमले के पीछे की बड़ी साजिश को सुलझाने में लगी हुई है। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश प्रशांत शर्मा ने एनआईए को आरोपी यासिर अहमद डार की दस दिन की और हिरासत दी, साथ ही एजेंसी को डॉ. बिलाल नसीर मल्ला से आठ दिन और पूछताछ करने की अनुमति दी। अदालत ने अभियोजन पक्ष की इस दलील को स्वीकार किया कि आतंकी नेटवर्क की शेष कड़ियों का पता लगाने और अब तक एकत्र की गई सामग्री को सत्यापित करने

के लिए निरंतर हिरासत में पूछताछ आवश्यक है। एनआईए के अनुसार, 10 नवंबर को लाल किले के बाहर हुए कार बम विस्फोट की योजना उमर-उन-नबी ने बनाई थी, जो हमले के समय विस्फोटक से भरी गाड़ी चला रहा था। इस विस्फोट में 15 लोगों की जान चली गई और दो दर्जन से अधिक लोग घायल हो गए। उमर-उन-नबी की बाद में विस्फोट में मौत हो गई, और फोरेंसिक जांच ने उसकी पहचान की पुष्टि की है। डॉ. मल्ला को दिल्ली में गिरफ्तार किया गया है और एजेंसी ने उन्हें मुख्य साजिशकर्ताओं में से एक बताया है। एनआईए का आरोप है कि उन्होंने जानबूझकर उमर-उन-नबी को पनाह दी और हमले से जुड़े सबूतों को नष्ट करने में शामिल होने के अलावा रसद संबंधी सहायता भी प्रदान की। 18 दिसंबर को नौवें आरोपी के रूप में गिरफ्तार किए गए डार जम्मू और कश्मीर के निवासी हैं और उमर-उन-नबी के करीबी सहयोगी बताए जाते हैं। जांच में अब तक नौ आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है, जिनमें चिकित्सक डॉ. मुज़म्मिल गनई, डॉ. अदील अहमद राथर और डॉ. शाहीन सईद शामिल हैं, जो आतंकी मॉड्यूल के संगठित और गुप्त स्वरूप को उजागर करते हैं। इसी से संबंधित एक घटनाक्रम में, पटियाला हाउस कोर्ट स्थित विशेष एनआईए न्यायालय ने हाल ही में कई अन्य आरोपियों की न्यायिक हिरासत 8 जनवरी तक बढ़ा दी है।

प्रयागराज में विहिप निकालेगी जन आक्रोश रैली

प्रयागराज (संवाददाता)। विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल के कार्यकर्ता आज शहर में जन आक्रोश रैली निकालेंगे। दरअसल, बांग्लादेश में आए दिन हिंदुओं की हत्या, मंदिर, व्यवसायिक केंद्र, महिलाएं, हिंदू श्रमिक दीपूदास पर धार्मिक टिप्पणी का झूठा आरोप

लगाकर कायरतापूर्ण निर्मम हत्या के विरोध में यह आक्रोशित हैं। इसके विरोध में जन आक्रोश रैली एवं इस्लामिक आतंकवाद का पुतला दहन का भी किया जाएगा। बड़ी संख्या में विहिप व बजरंग दल के कार्यकर्ता हनुमान मंदिर चौराहा सिविल लाइन पर एकत्रित होंगे। इसके बाद सुभाष चौराहा, सिविल लाइन पर बांग्लादेश और इस्लामिक आतंकवाद का पुतला दहन करेंगे।

संगम की रेती पर माघ मेले की रौनक

प्रयागराज (संवाददाता)। प्रयागराज में माघ मेला शुरू होने में अब कुछ ही दिन शेष हैं। संगम की रेती पर तैयारियां अंतिम चरण में पहुंच चुकी हैं। मेले के लिए सभी टेंट लगकर तैयार हो गए हैं। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए पांटून पुल बन चुके हैं। पूरे मेला क्षेत्र में चकर प्लेटें बिछा दी गई हैं। देश के विभिन्न हिस्सों से साधु–संतों का आगमन शुरू हो गया है। शाम होते ही टेंटों से भंडारों की खुशबू फैलने लगती है, जिससे संगम की रेती पर भव्य माघ मेले का माहौल बन गया है। साधु–संतों के शिविरों में भंडारे भी शुरू हो

चुके हैं। मेले को भव्य रूप देने के लिए टेंटों को महाकुंभ की तर्ज पर सजाया जा रहा है। चारों ओर लाइटों की जगमगाहट से संगम क्षेत्र एक बार फिर रोशन हो उठा है। श्रद्धालुओं के स्वागत के लिए भव्य स्वागत द्वार बनाए जा रहे हैं। माघ मेले की शुरुआत से पहले ही संगम क्षेत्र आस्था, रोशनी और उत्सव के रंग में रंग चुका है।

माघ मेले में जमीन के लिए हो रही मारामारी

प्रयागराज (संवाददाता)। प्रयागराज के माघ मेले में जमीन आवंटन के लिए मारामारी जैसी स्थिति हो रही है। आज शुक्रवार को मेला प्राधिकरण कार्यालय में नई संस्थाओं को जमीन आवंटित किए जाने के लिए अफसर मौजूद रहे। अपर मेला अधिकारी

दयानंद प्रसाद कार्यालय सभागार में बैठे। यहां पर बड़ी संख्या में साधु संत व संस्थाओं के लिए जुटे थे। पूरा हाल खचाखच भरा रहा। इसमें ज्यादातर वो लोग रहे जो काफी दिनों से माघ मेले में शिविर के लिए जमीन के लिए अफसरों के यहां चक्कर लगा रहे हैं। वहीं, कोमल दुबे नाम की एक महिला सुविधा लेने के लिए पहुंच हुई थी। महिला का आरोप है कि संस्था लिपिक पूरन पांडेय 5 हजार रुपये की मांग कर रहे हैं। वह भड़क गईं। इस पर हंगामा जैसी स्थिति हो गई। पुलिस वालों ने धक्का देकर बाहर कर दिया। महिला कोमल दुबे ने कहा, कोमल दुबे ने बताया कि हमें कभी जमीन के लिए तो कभी सुविधा पर्ची के लिए दौड़ाया जा रहा है। अब सुविधा पर्ची के लिए संबंधित बाबू से संपर्क किया तो 5 हजार रुपये मांग रहा है। इसी तरह रामनारायण रामजानकारी मंदिर ट्रस्ट के रामानंद दुबे भी पहुंचे थे। उन्होंने कहा, तीन दिनों से यहां जमीन व सुविधा पर्ची के लिए दौड़ रहे हैं। तीन जनवरी से मेला शुरू हो रहा है और अभी तक जमीन का आवंटन नहीं हो सका है। कब जमीन और सुविधा मिलेगी और कब हम लोग शिविर तैयार करेंगे यह पता नहीं।

पावर कारपोरेशन चेक मीटर की रिपोर्ट करे सार्वजनिक

प्रयागराज (संवाददाता)। प्रदेश में लगाए जा रहे स्मार्ट प्रीपेड मीटर पर विधानसभा में भी चर्चा हो चुकी है। सपा के सदस्यों ने जहां स्मार्ट प्रीपेड मीटर की विश्वसनीयता पर सवाल उठाए, वहीं ऊर्जा मंत्री ने कहा कि स्मार्ट प्रीपेड मीटर स्मार्ट मोबाइल की तरह है। इससे उपभोक्ताओं को पूरी पारदर्शिता मिलेगी। बिजली खपत कर हर पर ब्योरा मिलेगा। दरअसल प्रदेश में 6 प्रतिशत के लगभग चेक मीटर लगे हैं, लेकिन इसकी रिपोर्ट कभी सार्वजनिक नहीं हुई। प्रदेश में 22 दिसंबर तक कुल 56,82,784 स्मार्ट प्रीपेड मीटर लगाए जा चुके हैं। इसकी तुलना में 3,76,596 चेक मीटर छोड़े गए थे। ये 6 प्रतिशत से अधिक है। हालांकि भारत सरकार ने 5 प्रतिशत ही चेक मीटर छोड़ने का निर्देश दिया था। चेक मीटर लगाने का मकसद ये था कि इसकी मासिक रीडिंग, मिलान रिपोर्ट और विश्लेषण सार्वजनिक किया जाएगा। इससे स्मार्ट प्रीपेड मीटर को लेकर लोगों में किसी तरह की भ्रम नहीं रहेगा। उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष अवधेश वर्मा का दावा है कि पावर कॉर्पोरेशन की ओर से आज तक चेक मीटर की रिपोर्ट सार्वजनिक नहीं की गई। इसी कारण स्मार्ट प्रीपेड मीटरों की विश्वसनीयता पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। चेक मीटर की रिपोर्ट सार्वजनिक करने की मांग भारत सरकार रुरल इलेक्ट्रिफिकेशन कॉरपोरेशन लिमिटेड (आरईसी) कर चुका है। पर आज तक आरईसी को भी नहीं भेजी गई। जबकि हर महीने ये रिपोर्ट भेजना था। इसे लेकर भी आरईसी कई पत्र लिख चुका है। ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने विधानसभा में सपा सदस्यों के सवाल के जवाब में कहा कि चेक मीटर की रिपोर्ट से साफ है कि स्मार्ट प्रीपेड में कहीं कोई गड़बड़ी नहीं है।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा नाम ANSARUL HASAN S/o. ISRARUL HASAN जो पूर्व में था उसकी जगह अब ANSARUL HASAN ANSARI S/o ISRARUL HASAN ANSARI हो गया है।

भविष्य में मुझे ANSARUL HASAN ANSARI के नाम से जाना व पहचाना जाए।

ANSARUL HASAN ANSARI
S/o ISRARUL HASAN ANSARI
पता–E98/1 जीटीबी नगर करेली, प्रयागराज

जिलाधिकारी व वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मुजफ्फरनगर द्वारा किया गया जिला कारागार का निरीक्षण

बैरकों, रसोईघर, सुरक्षा उपकरणों आदि को किया चेक, बंदियों से वार्ता कर सुविधाओं व समस्याओं की ली जानकारी तथा सम्बन्धित को दिये आवश्यक दिशा-निर्देश।

मुजफ्फरनगर। जिलाधिकारी श्री उमेश मिश्रा तथा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री संजय कुमार वर्मा द्वारा जिला कारागार का निरीक्षण किया गया। अधिकारीगण द्वारा निरीक्षण के दौरान जिला कारागार में पुरुष व महिला बैरकों, रसोईघर का निरीक्षण करते हुए विशेष सफाई एवं बंदियों को मेन्यू के हिसाब से गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध कराने के निर्देश सम्बन्धित को दिये गये। इसके पश्चात अधिकारीगण द्वारा पुरुष व महिला बंदियों से जेल में मिलने वाली सुविधाओं एवं उनकी समस्याओं के बारे में भी जानकारी ली। तत्पश्चात कारागार परिसर व कार्यालय का निरीक्षण करते हुए अभिलेखों के रखरखाव व मुलाकाती रजिस्टर का अवलोकन किया गया। सुरक्षा की दृष्टि से जिला कारागार में लगी जैमर प्रणाली व सीसीटीवी कैमरों को भी चेक किया गया। इसके उपरान्त कारागार परिसर में स्थित अस्पताल का निरीक्षण करते हुए दवाईयों की उपलब्धता व ओपीडी आदि के बारे में जानकारी प्राप्त की तथा निर्देशित किया गया कि मरीजों के इलाज में किसी भी प्रकार की कोई शिथिलता व लापरवाही न बरती जाये। अधिकारीगण द्वारा जिला कारागार अधीक्षक को निर्देश दिये कि शासन की मंशा के अनुरूप जेल में बंदियों को मिलने वाली सारी सुविधाएं अवश्य उपलब्ध कराएं, शातिर बंदियों पर कडी निगरानी रखे, जेल परिसर के अंदर कोई भी प्रतिबंधित सामग्री ना जाने पाये, साफ सफाई का विशेष ध्यान रखा जाये। अंत में महोदय द्वारा जिला कारागार में तैनात पुलिस बल को ड्यूटी के सम्बन्ध में आवश्यक दिशा–निर्देश दिये गये। निरीक्षण के दौरान जेल अधीक्षक श्री अभिषेक चौधरी, क्षेत्राधिकारी नई मण्डी श्री राजू कुमार साव, प्र0नि0 नई मण्डी श्री बृजेश कुमार शर्मा, महिला थाना प्रभारी श्रीमती संगीता डांगर सहित पुलिस एवं प्रशासन के अन्य अधिकारीगण मौजूद रहे।

नवीं राष्ट्रीय कला प्रदर्शनी फ्लोरा एवं फौना का न्यायमूर्ति सुधीर नारायण ने किया भव्य उद्घाटन

दिल्ली के कलाकार अशोक तिवारी, प्रयागराज से रवीन्द्र कुशवाहा एवं तलत महमूद, कानपुर से सुमित ठाकुर गेस्ट ऑफ ऑनर से हुए सम्मानित

प्रयागराज। न्यायमूर्ति सुधीर नारायण ने खानम आर्ट गैलरी में नवी राष्ट्रीय कला प्रदर्शनी फ्लोरा एवं फौना का फीता काटकर एवं दीप प्रज्वलित कर भव्य उद्घाटन किया । मुख्य अतिथि एवं गेस्ट ऑफ ऑनर में दिल्ली के प्रसिद्ध कलाकार अशोक तिवारी, राज्य ललित कला अकादमी के सदस्य विख्यात कलाकार रवीन्द्र कुशवाहा, कानपुर के मशहूर कलाकार सुमित ठाकुर, प्रयागराज के एमिनेंट आर्टिस्ट तलत महमूद को खानम गैलरी की निदेशक डॉ जाहेदा खानम ने पुष्पगुच्छ, सम्मापत्र, मेडल एवं गमला प्रदान कर मंच पर

सम्मानित किया। मुख्य अतिथि न्यायमूर्ति सुधीर नारायण ने खानम आर्ट गैलरी की सफलता के 5 वर्ष पूर्ण होने पर सराहना करते हुए कहां कि गैलरी प्रयागराज में देश भर के बड़े कलाकारों का सम्मान करते हुए नवोदित कलाकारों को भी एक ऐसा अद्भुत मंच प्रदान किया है जिससे उनकी प्रतिभा निखारने तथा उनके अद्भुत कला कौशल को कला जगत में पहचान दिलाया है जिसके लिए खानम गैलरी की निदेशक डॉ जाहेदा खानम ने अथक परिश्रम किया है। मुख्य अतिथि एवं अन्य विशिष्ट अतिथियों ने गैलरी द्वारा निरूशुल्क कराई गई अनेक कला प्रतियोगिताओं के प्रथम द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार प्राप्त बच्चों को मेडल एवं ट्रॉफी प्रदान किया। इस राष्ट्रीय प्रदर्शनी में देशभर के 25 मानिंद कलाकारों की 50 कलाकृतियां प्रदर्शित है। प्रदर्शनी के कैटलाग का लोकार्पण समापन समारोह में एक जनवरी 2026 को होगा।

गोलाघाट माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा आयोजित नानी बाई का मायरा धूमधाम से संपन्न

गोलाघाट। माहेश्वरी महिला संगठन गोलाघाट शाखा द्वारा आयोजित नानी बाई के मायरा का आयोजन 21 दिसंबर से 23 दिसंबर तक धूमधाम से संपन्न हुआ। सीकर से पधारे व्यास जी किशोर जी शर्मा ने व्यास पीठ से नानी बाई के मायरे का वाचन किया उनके मुखारविंद से कथा का श्रवण कर हम सब धन्य हुए। इस आयोजन में माहेश्वरी महिला संगठन की समस्त सदस्याओ ने बढ़–चढ़कर हिस्सा लिया । पदाधिकारियो द्वारा नृत्य के द्वारा व्यास जी का स्वागत किया गया।

इस कथा में मुख्य यजमान के रूप में बिमला पवन काबरा व आशा श्याम लड्ढा ने पूजन करवाया।

यजमान के रूप में.. राधा घनश्याम बिनानी, रंजना पवन बिनानी, कुसुम महेश बजाज, सुनीता संजय बजाज,

दुर्गा जुगल मालपानी, पूनम अमित मालपानी व उषा बिनानी ने भी पूजन में भाग लिया।

प्रत्येक दिन कथा के अनुसार संगठन की सदस्यों द्वारा झांकियां निकाली गई। प्रथम दिवस की झांकियां–

छोटे नरसी जी देवांश लाहोटी, बड़े नरसी जी उषा बिनानी, शिवजी बसंती लाहोटी, छोटा कृष्ण लहर बिनानी, राधा– सिंपी लड्ढा व दादी –किरण तापड़िया संत– कुसुम बिनानी, मानवी बिनानी , अनीता लाहोटी व नीतू मूंदडा , गोपिया–सुनीता बिनानी, सिमरन कासट, मनीषा बिनानी, अनमोल करवा ने अहम भूमिका निभाई।

दूसरे दिन–पंडित जी मीना नागौरी, नानी बाई –बिमला काब्रा, देवरानी जेठानी गायत्री

बाहेती और सुमन लद्दड, ननद सीता काबरा,

देवर राजकुमारी बियानी, और सूर्या–रीता काब्रा, भगवती जाजू, मनीषा राधड, निखिल शर्मा रहे।

तृतीय दिवस के किरदार–

कृष्ण– कुसुम बजाज,राधा – राधा बिनानी, रुक्मणी – रंजना बिनानी, नानी बाई की सखी दुर्गा मालपानी

सेठ सेठानी कविता बजाज व आशा लड्ढा रहे। सभी किरदारों ने अपनी अपनी भूमिका बहुत ही सुचारू रूप से निभाकर नानी बाई के मायरे को सफल बनाया।

प्रत्येक दिन कथा के बाद प्रसाद वितरण किया गया। नानी बाई के मायरे का लाइव टेलीकास्ट किया गया इसकी लिंक प्रत्येक दिन ग्रुप में दी जा रही थी, इस तरह समाज के सभी लोगों ने कथा का श्रवण करके अपने जीवन को धान्य बनाया।

काव्य संग्रह प्रेम पुजारी लोकार्पित

काव्य संग्रह `प्रेम पुजारी' का विमोचन संपन्न दूसरे सत्र में बही सरस काव्य की रसधार

प्रयागराज। वैचारिकी, साहित्यांजलि प्रज्योदि के तत्त्वावधान में केशब प्रकाश सक्सेनाश के काव्य संग्रह 'प्रेम पुजारीश का लोकार्पण समारोह 'सारस्वत सभागारश लूकरगंज में संपन्न हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता उस्ताद शाइर अनवार अब्बास एवं मुख्य अतिथि वरिष्ठ साहित्यकार डॉ० दयाराम मौर्य, विशिष्ट अतिथि शिक्षाविद, शाइरा डॉ० शाहिदा, विजय लक्ष्मी विभा रहे। संचालन प्रोफेसर एवं कहानीकार रवि कुमार मिश्र ने किया। स्वागत एवं आभार प्रो०अरविन्द कुमार मिश्र ने किया। संयोजक डॉ० प्रदीप चित्रांशी रहे। कवयित्री सरिता मिश्र और राजेश सिंह राज ने माँ सरस्वती की रचना पढ़ी। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए अनवार अब्बास नकवी ने कहा कि मानवीय शिक्षा से ओतप्रोत छन्दयुक्त और छन्द मुक्त कविताओं के संग्रह

में छोटी या बड़ी कविताएं नए ढंग से कही गई हैं, जिसमें जीवन के विविध रंग के भाव निहित हैं। मुख्य अतिथि डॉ० दयाराम मौर्य ने कहा कि रचनाकार जीवनानुभव के कवि हैं, उनकी कविता में समय की वास्तविकता का वह आईना है जिसमें समाज की हर गतिविधियों की साफ–साफ दिखाई देती है। डॉ० शाहिदा ने कहा कि इस कविता संग्रह में निहित कविताओं के अन्तस में सच्चे प्रेम की खुशबू से ओतप्रोत देश और समाज की बातें करती हुई कविताएं दिखाई देती हैं।

डॉ० प्रदीप चित्रांशी ने कहा कि काव्य संग्रह की कविताएं जिन्हें गद्यद विचार कविता कहा जा सकता है, सामान्य भाषा शिल्प के बावजूद जीवट जिजीविषा और नूतन आशा का संचार करती हैं। विजय लक्ष्मी विभा प्रेम, प्रेम के अंतर्द्वद की चर्चा करते हुए कहा कि प्रेम में पाने का नहीं खोने का भाव होता है। प्रस्तुत कविता का भाव समाज को अनुप्राणित करेगा। राजेश सिंह राज एवं सरिता गणेश वंदना एवं सरस्वती वंदना करते हुए प्रस्तुत कविता की चर्चा में भावनात्मकता के साथ दूसरों को समझना और एक संवेदना अभिव्यक्त करने हेतु हार्दिक शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर शहर के नामचीन शायर फरमूद अहमद, पंडित राकेश मालवीय मुस्कान, प्रीता वाजपेयी, उमेश श्रीवास्तव, रचना सक्सेना, संजय सक्सेना, कल्पना वर्मा, जया मोहन, अशोक कुमुद, शिव मंगल सिंह, गीता सिंह, रामवीर पथिक, शरद श्रीवास्तव, रामसुख यादव, प्रेमा राय, दानिश भाई सहित तमाम साहित्यकार रचना धर्मी एवं साहित्य प्रेमी उपस्थित रहे।

संगम तट पर अस्थाई घाटों का निर्माण कार्य जारी

प्रयागराज (संवाददाता)। माघ मेले की शुरुआत में अब कुछ ही दिन शेष हैं। संगम की रेती पर तंबुओं का शहर बसने के साथ ही श्रद्धालुओं की सुगमता के लिए प्रशासन ने घाटों के निर्माण में पूरी ताकत झोंक दी है। संगम तट के आसपास विशेष रूप से अस्थाई घाटों का निर्माण किया जा रहा है, ताकि मुख्य स्नान पर्वों पर उमड़ने वाली भारी भीड़ को नियंत्रित किया जा सके और सभी को सुरक्षित स्नान का अवसर मिल सके। घाटों को सुरक्षित और सुव्यवस्थित बनाने के लिए रोजाना लगभग 50 मजदूर तैनात किए गए हैं। इन मजदूरों द्वारा बोरियों में बालू भरकर उन्हें व्यवस्थित तरीके से तट पर लगाया जा रहा है। यह तकनीक न केवल तट को मजबूती प्रदान करती है, बल्कि पानी के कटाव को रोककर एक समतल श्बाथिंग प्लेटफॉर्मश तैयार करती है। इससे बुजुर्गों और बच्चों को गहरे पानी में जाने से रोकने में मदद मिलती है। मेला प्रशासन का मुख्य फोकस मकर संक्रांति, मौनी अमावस्या और बसंत पंचमी जैसे प्रमुख स्नान पर्वों पर है। इन दिनों में करोड़ों की संख्या में श्रद्धालु संगम पहुंचते हैं। भीड़ के दबाव को कम करने के लिए मुख्य संगम घाट के अलावा आसपास कई अन्य अस्थाई घाट विकसित किए जा रहे हैं।

पुस्तक मेले में दो किताबों का विमोचन

प्रयागराज (संवाददाता)। प्रयागराज पुस्तक मेले में श्कलर्स ऑफ कल्चरल एंड आर्ट्स फाउंडेशनश और श्प्रयागराज पुस्तक मेला समितिश के संयुक्त तत्वावधान में एक पुस्तक विमोचन समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर दो नई चित्रकथाओं श्प्रयागराज प्रदर्शनी महाकुंभ की महागाथाश और श्जासूस बब्बन बिहारीश का विमोचन हुआ। उत्तर प्रदेश सरकार के पूर्व कैबिनेट मंत्री नरेंद्र सिंह गौर और प्रयागराज के महापौर गणेश केसरवानी ने इन पुस्तकों का अनावरण किया। यह समारोह पुस्तक मेले के

मंच पर संपन्न हुआ, जिसमें साहित्य और कला का संगम देखने को मिला। समारोह में दोनों पुस्तकों के रचनाकारों और साहित्यकारों को सम्मानित किया गया। चित्रकथा श्प्रयागराज प्रदर्शनी दृ महाकुंभ की महागाथाश के लेखक एवं चित्रकार अंशु दीप धुसिया, ग्राफिक डिजाइनर आलोक कुमार और सह–प्रकाशक संजीव कुमार को मंच पर सम्मान पत्र व स्मृति चिह्न प्रदान किए गए। इस पुस्तक का प्रकाशन ऋग्सिंधु प्रकाशन द्वारा किया गया है। वहीं, दूसरी चित्रकथा श्जासूस बब्बन बिहारीश की परिकल्पना सुरजीत बेसरा ने की है, जबकि इसका लेखन और चित्रांकन भी अंशु दीप धुसिया ने किया है। इस पुस्तक को बेसरा कॉमिक्स के माध्यम से प्रकाशित किया गया है। कार्यक्रम का सफल संयोजन श्कलर्स ऑफ कल्चरल एंड आर्ट्स फाउंडेशन, प्रयागराजश के सचिव राहुल कुमार सागर ने किया, जबकि संस्था के महामंत्री उज्ज्वल जायसवाल ने सह–संयोजन की जिम्मेदारी संभाली। भाजपा के महानगर मीडिया प्रभारी राजेश केसरवानी ने कार्यक्रम का संचालन किया। इस अवसर पर पुस्तक मेला समिति के संयोजक मनीष गर्ग और वरिष्ठ साहित्य–संस्कृति कार्यकर्ता मनोज सिंह चंदेल सहित कई गणमान्य अतिथि मौजूद रहे। सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने भी दर्शकों का मन मोहा। सुश्री अंकिता मौर्या ने शास्त्रीय नृत्य प्रस्तुत किया, जबकि शीबू चतुर्वेदी ने मधुर गायन से सभागार में साहित्यिक और संगीतमय माहौल बना दिया। पुस्तक विमोचन के दौरान वक्ताओं ने कहा कि चित्रकथाएं भारतीय पढ़ने की संस्कृति में नई रुचि जगाने का एक महत्वपूर्ण माध्यम बन रही हैं। उन्होंने प्रयागराज पुस्तक मेले को इस दिशा में एक प्रेरक मंच बताया।

गोल्ड विजेता खुशबू निषाद का सम्मान, चांदी का मुकुट भेंट

प्रयागराज (संवाददाता)। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत के लिए गोल्ड मेडल जीतने वाली खिलाड़ी खुशबू निषाद का रविवार को प्रयागराज में सम्मान समारोह आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम समाजवादी पार्टी के प्रदेश कार्य परिषद सदस्य एवं करछना एसआईआर फॉर्म प्रभारी बब्बन दुबे के आवास पर हुआ, जिसमें स्थानीय नागरिक, पार्टी पदाधिकारी और समर्थक बड़ी संख्या में शामिल हुए। समारोह की शुरुआत खुशबू निषाद के आगमन पर फूलमालाओं से स्वागत के साथ हुई। कार्यक्रम के दौरान बब्बन दुबे, गंगापार जिला अध्यक्ष पप्पू लाल निषाद, राजेश गुप्ता और अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने संयुक्त रूप से उन्हें बड़ी फूलमाला पहनाई और चांदी का मुकुट भेंट कर सम्मानित किया। इस अवसर पर बब्बन दुबे ने खुशबू निषाद की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने न केवल देश और प्रदेश, बल्कि प्रयागराज, अपने माता–पिता और पूरे समाज का मान बढ़ाया है। उन्होंने खुशबू को पूरे देश की बेटी बताते हुए कहा कि उन्होंने भारत की बेटियों के लिए प्रेरणा का मार्ग प्रशस्त किया है। दुबे ने यह भी कहा कि खुशबू की सफलता दर्शाती है कि ग्रामीण परिवेश में रहकर भी इच्छाशक्ति और मेहनत से अंतरराष्ट्रीय मंच पर पहचान बनाई जा सकती है। गंगापार जिला अध्यक्ष पप्पू लाल निषाद ने भी खुशबू की उपलब्धि पर गर्व व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि खुशबू निषाद ने अपनी प्रतिभा, कठिन परिश्रम और समर्पण के बल पर समाज और प्रदेश का नाम विश्व पटल पर स्थापित किया है। निषाद ने जोर दिया कि जब एक बेटी जीतती है, तो यह जीत केवल उसकी नहीं, बल्कि पूरे परिवार, समाज और देश की होती है। उन्होंने खुशबू और उनके परिवार को शुभकामनाएं देते हुए भविष्य में और ऊंचाइयां छूने की आशा व्यक्त की। समारोह के अंत में उपस्थित लोगों ने खुशबू निषाद के साथ तस्वीरें खिंचवाईं। कई छोटी बच्चियों ने उन्हें अपना रोल मॉडल बताते हुए ऑटोग्राफ भी लिए।

पेड़ से टकराकर बाइक सवार की मौत

प्रयागराज (संवाददाता)। कोरांव थाना क्षेत्र के खजुरी खुर्द गांव में शुक्रवार दोपहर 12 बजे एक सड़क हादसे में बाइक सवार जय सिंह (50) की मौत हो गई। उनकी बाइक अनियंत्रित होकर महुआ के पेड़ से टकरा गई थी। यह घटना कोरांव देवघाट मुख्य मार्ग के किनारे

हुई। जय सिंह, जो बलापुर थाना कोराव के निवासी थे, अपने घर से कोरांव बाजार स्थित एक निजी अस्पताल जा रहे थे। उनके परिवार का कोई सदस्य बीमार था, जिसका इलाज वहां चल रहा था। खजुरी खुर्द गांव में मुख्य मार्ग पर उनकी बाइक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे स्थित महुआ के पेड़ से टकरा गई।

अध्यात्म को एआई तकनीक के साथ जोड़कर चमत्कार किए जा सकते हैं-डॉ. उमर अली शाह

भीमली, । श्री विश्व विज्ञान विद्या आध्यात्मिक पीठ के नौंवे पीठधिपति सद्गुरु डॉ. उमर अली शाह ने कहा कि अध्यात्म को एआई तकनीक के साथ मिश्रित कर अद्भुत परिणाम हासिल किए जा सकते हैं।

डॉ. उमर अली शाह ने गुरुवार के पूर्वाह्न 9:30 बजे भीमिली आश्रम की 24वीं वर्षगांठ समारोह की बैठक में उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधित कर रहे थे।डॉ. उमर अली शाह की अध्यक्षता में आश्रम परिसर में बड़े धूमधाम के साथ संपन्न हुई हुई इस सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि अगर अध्यात्म को एआई तकनीक जोड़ें और मानवीय मूल्यों को अपनाएं, तो हम एक खुशहाल जिंदगी पा सकते हैं। हमारी रोजमर्रा की जिंदगी में, कई परेशानियां और कुछ पल की भावनाएं अरिशदवर्गों की वजह से होते हैं, जो हमारे मन में तूफान की तरह उमडते–घुमडते रहते हैं और उथल–पुथल मचाते हैं, हमें आध्यात्मिक दर्शन से शांति और संतुष्टि मिल सकती है। इसके लिए सभी को त्रई साधना का रास्ता अपनाना चाहिए। उन्होंने कहा कि इससे तीन प्रसाद प्राप्त होते हैंरू शारीरिक प्रकृति के लिए भोग, मानसिक प्रकृति के लिए संतुष्टि और आध्यात्मिक प्रकृति के लिए मुक्ति। साथ ही धैर्य और खुशी के साथ जीने का अवसर मिलता है। यदि हम सेवा के मार्ग में अपने साथी मानवता की मदद करते हैं, तो समाज सेवा और आध्यात्मिक सेवा के दो नेत्र विकसित होंगे, और हम मानवता के रूप में ईश्वरत्व को प्राप्त कर सकते हैं। इस दृष्टिकोण से, सभी को हर साल गुरुदक्षिणा के रूप में तीन पौधे लगाने चाहिए और उनकी देखभाल करनी चाहिए।

इस सभा कार्यक्रम में अतिथि के रूप में शामिल हुए श्री परवस्तु पनिशयन सूरी ने इस सभा के छठे सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि उमर अली शाह आंध्र के कवि गुरु हैं और उनकी कविताएँ समाज को एक अद्भुत संदेश देती हैं और उन्होंने महान कवि द्वारा लिखी गई कुछ कविताओं को कुछ कविताएं सुनाकर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया।

बाद में, एक अन्य अतिथि आचार्य श्री डी. वेंकट राव ने बात की और एक गुरु के महत्व को समझाया।साथ ही, सेंचुरियन यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर प्रोफेसर श्री जी.एस.एन. राजू, ने कहा कि रूरल डेवलपमेंट ट्रस्ट के जरिए उमर अली शाह जो सोशल सर्विस प्रोग्राम कर रहे हैं, वे सभी लोगों के लिए एक आदर्श हैं।

प्रोग्राम में, भीमावरम – कविशेखर डॉ. उमर अलीशा साहित्य समिति के जरिए पिछले 25 सालों से बेहतरीन उत्कृष्ट साहित्यिक सेवा करने वाले स्कॉलर्स को श्री हुसैन शाह पोएट मेमोरियल अवॉर्ड दिया जाता है। इसके तहत, 2025 का अवॉर्ड श्री आचार्य गोरगोंथु अक्कुबतलु शर्मा को पीठाधिपति डॉ. उमर अली शाह द्वारा दिया गया। सद्गुरु के दिव्य हाथों से उमर अली शाह को यह पुरस्कार दिया गया और पीठम की तरफ से उन्हें सम्मानित किया गया। इस मौके पर अक्कुभोतलु शर्मा ने कहा कि इस पीठम में अद्वैत वेदांत दर्शन को सूफी दर्शन के साथ मिलाकर व्यावहारिक रूप से प्रचार किया जा रहा है। इस पीठम के नौवें पीठाधिपति डॉ. उमर अली शाह ने कहा कि महान कवि द्वारा लिखे गए सूफी वेदांत दर्शन का अध्ययन कर, दर्शन का ज्ञान हासिल करना चाहिए और जीवन को सार्थक बनाने की कोशिश करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि मैं इस पुरस्कार को सद्गुरु के आशीर्वाद का प्रतीक मानता हूं और मैंने इस दर्शन की प्रशंसा की, जो आध्यात्मिक सेवा और समाज सेवा का प्रतिबिंब है,जो ब्रह्मांड के लिए एक आदर्श का रूप है।

श्री कालिदिन्दी गंगाराजू, श्री सुरमपुडी वीरभद्र राव, श्री एस.वी. सत्यनारायण और अन्य प्रमुख लोगों ने कार्यक्रम में अतिथि के रूप में भाग लिया। श्रीमती माधुरी द्वारा गाए गए भजनों से उपस्थित श्रोताओं ने मनोरंजन किया। प्रोफेसर डॉ. आनंद पिंगली ने सभा को उमर अली शाह ग्रामीण विकास ट्रस्ट द्वारा प्रदान की जा रही सेवाओं के बारे में बताया।

इस अवसर पर, दानदाताओं की मदद से उमर अली शाह ग्रामीण विकास ट्रस्ट के तत्वावधान में जरूरतमंद महिलाओं को कंबल और चावल किट प्रदान किए गए। अवधानी येर्रमसेट्टी उमामहेश्वर राव ने पीठम और भीमिली आश्रम की विशिष्टता का परिचय दिया, जबकि श्रीमती तिरुमलराजू सुजाता ने सभा की टिप्पणी दी।

पीठम केंद्रीय समिति सदस्य श्री एन.टी.वी. प्रसाद वर्मा, भीमिली कमेटी के सदस्य और कई जगहों से आए विधानसभा सदस्यों ने बड़ी संख्या में कार्यक्रम में भाग लिया, सद्गुरु के दर्शन किए और भोजन प्रसाद ग्रहण किया।

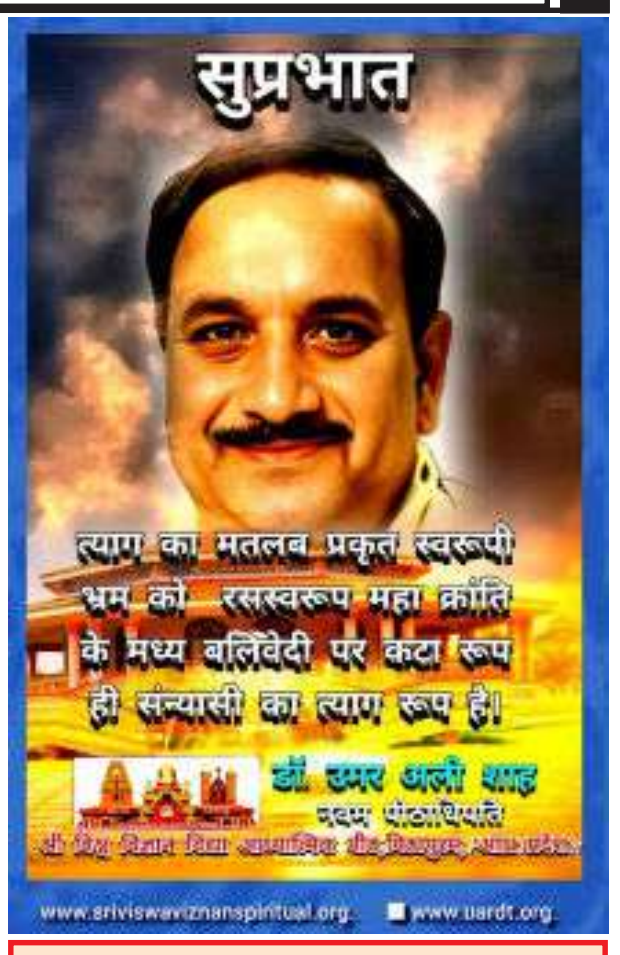

पाठ पढ़ाते फूल

सुन्दर पावन भाव रख, खिलते हैं जब फूल।
सबके मन को मोहते, उनके ही अनुकूल।
उनके ही अनुकूल, सुकूँ देते हैं दिल को।
हरि से कर संवाद, सुनाते हैं वह सबको।
सुन लो कहें प्रदीप, न टालो इसको हँसकर।
रक्खो विमल विचार, लगोगे सुन्दर–सुन्दर।।

हर रंगों के मायने, रख उनके अनुकूल।
ज्ञान और विज्ञान का, पाठ पढ़ाते फूल।
पाठ पढ़ाते फूल, बताते संयम रखना।
बैठ नदी के कूल,ध्यान से उनको पढ़ना।
सुन लो कहें प्रदीप, करो मत अपना–अपना।
समझ बूझ कर अर्थ, बताओ हर रंगों का।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

प्रो बसन्त कुमार भट्ट आईकेएस व्याख्यानमाला

प्रयागराज। गंगानाथ झा परिसर में भारतीय ज्ञान परम्परा पर व्याख्यानमाला का आयोजन केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, गंगानाथ झा परिसर के भारतीय ज्ञान परम्परा केन्द्र एवं पाण्डुलिपि विज्ञान विद्याशाखा के संयुक्त तत्त्वावधान में परिसर में दिनांक 26–12–2025 से दिनांक 05–01–2025 तक पाठालोचनसिद्धान्त व्याख्यानमाला का आयोजन ऑनलाइन माध्यम से किया जा रहा है। आज परिसरीय सभागार परिसर के निदेशक प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी की अध्यक्षता में व्याख्यानमाला का आरम्भ हुआ। व्याख्यानमाला में गुजरात विश्वविद्यालय के सेवानिवृत्ताचार्य प्रो. वसन्त कुमार भट्ट अपना व्याख्यान प्रस्तुत कर छात्र–छात्राओं का मार्गदर्शन करेंगे। व्याख्यानमाला का आयोजन भारतीय ज्ञान परम्परा अनुसन्धान केन्द्र, प्रयागराज के अध्यक्ष प्रो. देवदत्त सरोदे एवं पाण्डुलिपि विज्ञान विभाग की अध्यक्षा प्रो. अपराजिता मिश्रा द्वारा किया जा रहा है, जिसमें परिसरीय प्राक्शोध छात्र–छात्राओं से साथ ही साथ अनेकों छात्र–छात्राएँ सम्पूर्ण देश से ऑनलाइन माध्यम से सम्मिलित होकर लाभान्वित हो रहे है। परिसर के मीडिया एवं जनसम्पर्क अधिकारी राजेशकान्त तिवारी ने बताया कि यह व्याख्यानमाला दिनांक 05–01–2025 तक आयोजित होगी।

मुजफ्फरनगर में आरडीएफ पर तकरार: राकेश टिकैत ने धमकाया तो पंकज बोले-बंद कर देंगे उद्योग

जिला पंचायत सभाकक्ष में घंटों चली बैठक में आरडीएफ ईंधन, प्रदूषण और ग्रामीणों की समस्याओं पर हुई बिंदुवार चर्चा
किसान नेताओं और अफसरों के सामने अपनी बात पर अड़े उद्यमी, कहा-नियमानुसार ही फैक्ट्रियों में जल रहा आरडीएफ

मुजफ्फरनगर। मुजफ्फरनगर जनपद में फैक्ट्रियों में आरडीएफ (रिफ्यूज डिराइव्ड फ्यूल) के उपयोग, दूसरे राज्यों से आ रहे गीले कूड़े को जलाने और उससे फैल रहे प्रदूषण को लेकर चल रहे विवाद में प्रशासन सक्रिय भूमिका निभाने के लिए एक बिचौलिया के रूप में सामने आ गया है। किसान नेताओं और उद्यमियों के बीच बढ़ती खींचतान को समाप्त करने के लिए पहली बार दोनों पक्षों को आमने–सामने बैठाकर वार्ता कराई गई, जिसमें समस्याओं को उठाया गया तो वहीं समाधान के रास्ते भी निकाले गये। उद्यमी अपनी बात पर अड़े नजर आये। किसान नेता राकेश टिकैत ने जब आरडीएफ न जलने देने की चेतावनी देते हुए धमकाया तो पेपर मिल एसोसिएशन के अध्यक्ष पंकज अग्रवाल भी उग्र हो गये और साफ कह दिया कि सभी उद्योग बंद कर चाबियां डीएम को सौंप देंगे, दबाव नहीं सहन करेंगे।

आरडीएफ के नाम पर फैक्ट्रियों में दूसरे राज्यों से लाए जा रहे गीले कूड़े को जलाने और उससे हो रहे पर्यावरण प्रदूषण को लेकर उद्यमियों और किसान संगठनों के बीच लंबे समय से चल रही तनातनी के बीच गुरुवार को प्रशासन ने मध्यस्थता करते हुए अहम बैठक आयोजित की। कचहरी स्थित जिला पंचायत सभाकक्ष में आयोजित इस बैठक में आरडीएफ, प्रदूषण और किसानों व ग्रामीणों की समस्याओं को लेकर पहली बार किसान नेता और उद्योगपति आमने–सामने आए।

एडीएम प्रशासन संजय सिंह के नेतृत्व में हुई इस बैठक में बिंदुवार समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की गई। उद्यमियों की ओर से पेपर मिल एसोसिएशन के अध्यक्ष एवं बिन्दल पेपर मिल लिमिटेड के प्रबंध निदेशक पंकज अग्रवाल ने पक्ष रखा, जबकि किसानों, ग्रामीणों और आम जनता की आवाज बनकर भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय प्रवक्ता चौधरी राकेश टिकैत बैठक में मौजूद रहे। बैठक करीब दो घंटे से अधिक समय तक चली, जिसमें दोनों पक्षों के बीच आरडीएफ की परिभाषा, उसकी वैधानिक स्थिति, फैक्ट्रियों में इसके उपयोग और उससे होने वाले पर्यावरणीय प्रभाव को लेकर तर्क–वितर्क होते रहे। किसान नेताओं ने आरोप लगाया कि आरडीएफ की आड़ में दूसरे राज्यों से गीला कूड़ा लाकर जलाया जा रहा है, जिससे गांवों और खेतों में प्रदूषण फैल रहा है और ग्रामीणों का स्वास्थ्य प्रभावित हो रहा है।

वहीं उद्यमियों की ओर से पंकज अग्रवाल ने स्पष्ट किया कि जनपद में उद्योग केवल अनुमति प्राप्त आरडीएफ ईंधन का ही उपयोग कर रहे हैं और उसी के अनुरूप फैक्ट्रियों में बॉयलर व अन्य मशीनरी स्थापित की गई है। उनका कहना था कि सभी कार्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड और शासन की गाइडलाइन के तहत किए जा रहे हैं। ऑनलाइन मॉनीटरिंग भी हो रही है। अधिकारियों ने दोनों पक्षों की बातें गंभीरता से सुनीं और समस्याओं के समाधान को लेकर बिंदुवार चर्चा की। बैठक में कुछ ऐसे मुद्दे भी सामने आए, जिनके निस्तारण के लिए शासन स्तर पर निर्णय आवश्यक बताया गया। इस पर दोनों पक्षों की सहमति से प्रस्ताव शासन को भेजने का निर्णय लिया गया।

गौरतलब है कि इससे पूर्व भारतीय किसान यूनियन द्वारा जट मुजहेड़ा में फैक्ट्रियों में आरडीएफ ईंधन के विरोध में पंचायत की गई थी। उसी दौरान प्रशासन ने किसानों को आश्वासन दिया था कि उद्यमियों के साथ बैठक कराकर समस्या का समाधान निकाला जाएगा। गुरुवार की बैठक उसी कड़ी का अहम हिस्सा मानी जा रही है। इस बीच जिलाधिकारी उमेश मिश्रा ने आरडीएफ के उपयोग और उससे जुड़े मामलों की निगरानी के लिए अधिकारियों की एक उच्च स्तरीय समिति का गठन पहले ही कर दिया है। समिति को फैक्ट्रियों की नियमित जांच करने और प्रत्येक रिपोर्ट प्रशासन को सौंपने के निर्देश दिए गए हैं। प्रशासनिक अधिकारियों का कहना है कि किसानों, ग्रामीणों और उद्योगोंकृतीनों के हितों का संतुलन बनाते हुए पर्यावरण संरक्षण को प्राथमिकता दी जाएगी। बैठक को सकारात्मक पहल बताते हुए उम्मीद जताई गई कि संवाद के जरिए विवाद का स्थायी समाधान निकलेगा।

पुलिस लाइन में नन्हे नन्हे खिलाड़ियों का किया उत्साहवर्धन

मुजफ्फरनगर। एस. एस. सर्विस कराटे मेरठ से चैंपियनशिप में विजयी होकर लोटे खिलाड़ी सार्थक पाल धंधेरा अंडर 12 में प्रथम , सागर पाल सिखेरा द्वितीय , सत्यम पाल भंडूर द्वितीय, अंशुमान राठौर भंडूरा प्रथम, निशा कश्यप जौली तृतीय, हर्षिका पाल खोकनी प्रथम , कविश पाल भगवानपुरी अंडर 14 में रजत पदक जीतकर मुजफ्फरनगर का नाम रॉशन किया, ।। मुजफ्फरनगर पुलिस लाइन मे अपने मेडल और ट्रॉफीयाँ लेकर सभी खिलाड़ी अपने रोल मॉडल पंकज शर्मा को पहनाकर समर्पित किये खिलाड़ियों का कहना है कि पंकज शर्मा उत्तर प्रदेश पुलिस मैं होने वाली सभी खेलो की प्रतियोगिताओं में बढ़ चढ़कर हिस्सा लेते हैं और पंकज शर्मा ऑल इंडिया बॉडीबिल्डिंग में मिस्टर इंडिया का खिताब जीतकर मुजफ्फरनगर पुलिस का नाम रोशन कर चुके हैं, पंकज शर्मा ने सभी खिलाड़ियों के लिए ध्1000 –1000ध की नगद राशि और टीम की जीत के लिए केक काटा और अपनी ओर से सभी खिलाड़ियों को गिफ्ट दिए ,और खिलाड़ियों को खेलों में आगे जाने के लिए मा0 मुख्यमंत्री की योजनाओं के बारे में बताया और खिलाड़ियों को सबसे महत्वपूर्ण बात यह बताई कि पहले समय में ज्यादातर लोग यह बोलते थे तो बनोगे नवाब और खेलोगे कूदोगे तो बनोगे खराब पंकज शर्मा ने इस कहावत को एक नहीं बल्कि कई मिसाल देकर गलत सिद्ध किया जैसे रिंकू सिंह (बेसिक एजुकेशन अधिकारी) राजकुमार पाल (डिप्टी सुपरिंटेंडेंट ऑफ पुलिस केच) मेरठ की पारुल चौधरी (डेप्युटी प्रेसिडेंट ऑफ पुलिस DSP) आदि के उदाहरण दिए और खिलाड़ियों ने इनकी बातों की सराहना करते हुए एक नारा दिया our hero, super cop pankaj, पंकज शर्मा ने कराटे टीम कोच आशु को खेल सामग्रीव स्मार्ट वॉच देकर सम्मानित किया।

महाप्रबंधक पूर्व रेलवे का आरेडिका एवं फोर्ज्ड व्हील प्लाण्ट दौरा

रायबरेली। महाप्रबंधक पूर्व रेलवे (कोलकाता) मिलिंद देऊस्कर ने आधुनिक रेल डिब्बा कारखाना एवं फोर्ज्ड व्हील प्लाण्ट रायबरेली का दिनांक–26.12.2025 को दौरा किया। श्री देऊस्कर ने आरेडिका के महाप्रबंधक प्रशान्त कुमार मिश्रा तथा उच्च अधिकारियों के साथ बैठक की। इस बैठक में ओपेन लाइन रेल संचालन में कोच संबंधित कई मुददों पर विस्तृत चर्चा की गयी।

महाप्रबंधक पूर्व रेलवे ने शेलशॉप, बोगीशॉप, व्हीलशॉप एवं फर्निशिंगशॉप, आदि का निरीक्षण किया। शेलशॉप में निरीक्षण के दौरान कोच वेल्डिंग की गुणवत्ता, साइडवाल, लेजर कटिंग मशीन, कोच रूफ वेल्डिंग, तथा मशीनों की कार्य दक्षता का अवलोकन किया। आगे इसी क्रम में श्री देऊस्कर ने फोर्ज्ड व्हील प्लाण्ट का दौरा किया। यहॉ फोर्ज्ड व्हीलों के निर्माण के विभिन्न चरणों का अवलोकन किया। श्री देऊस्कर ने आरेडिका प्रशान्ति परिसर का दौरा किया। प्रशान्ति परिसर में पर्यावरण संरक्षण के लिए आरेडिका में किए जा रहे विभिन्न कार्यों जैसे– वर्षा जल संरक्षण के लिए नवनिर्मित तालाबों, वर्षा जल संचयन बिन्दुओं एवं मियावाकी पद्धति से वृक्षारोपण कर विकसित किये जा रहे क्षेत्रों का निरीक्षण किया। इस अवसर पर आरेडिका के पीसीएमई विवेक खरे, पीएफए बीएल मीना, पीसीईई मनोज कुमार जिंदल, वरिष्ठ उप महाप्रबन्धक अकमल वदूद तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

तुम जन मन के भूगोल बने जीवित इतिहास तुम्हीं तो हो..

प्रयागराज। प्रो. राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज में शासनादेश के अनुपालन में भारत रत्न, पूर्व प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी के जन्म शताब्दी वर्ष के समापन अवसर पर दिनांक 25 दिसंबर 2025 को एक भव्य एवं गरिमामयी स्मरणांजलि समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों के बौद्धिक, साहित्यिक एवं रचनात्मक विकास को प्रोत्साहित करने हेतु भाषण प्रतियोगिता, अटल स्मृति विचार प्रवाह तथा काव्यांजलि जैसे विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। सबसे पहले अतिथियों ने अटल जी के चित्र पर श्रद्धा सुमन समर्पित किया। समारोह की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति डॉ. अखिलेश कुमार सिंह जी ने की। अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में उन्होंने कहा कि भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी जी केवल एक कुशल राजनेता ही नहीं, बल्कि एक संवेदनशील कवि, दूरदर्शी चिंतक और लोकतांत्रिक मूल्यों के सच्चे प्रहरी थे। विशिष्ट वक्ता कुलानुशासक प्रो. राजकुमार गुप्त ने कहा कि अटल जी की सुशासन संकल्पना आज के विविध सन्दर्भों में मूर्तिमान प्रतीत हो रही है। कार्यक्रम समन्वयक हिन्दी विभागाध्यक्ष प्रो. आशुतोष कुमार सिंह,अधिष्ठाता छात्र कल्याण ने अपने स्वागत उद्बोधन में कहा कि इस प्रकार के आयोजनों से विद्यार्थियों में राष्ट्रवादी चेतना, नैतिक मूल्य, सुशासन की समझ और सृजनात्मक वैशिष्ट्य की भावना विकसित होती है। अटल जी की दृष्टि में सुशासन विषयक व्याख्यान हेतु मुख्य वक्ता के रूप में रायबरेली से पधारे सुप्रसिद्ध कवि, प्रखर चिंतक एवं वरिष्ठ साहित्यकार श्री देवी प्रसाद मिश्र वेदान्ती ने अटल जी के विचारों, उनकी कविताओं तथा राजनीतिक जीवन में नैतिक मूल्यों की विवेचना की। उन्होंने कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी जी का जीवन विचार और कर्म के अद्भुत समन्वय का उदाहरण है। अटल जी ने जो जिया वही लिखा और जो लिखा वही जिया। दूसरे सत्र में आमंत्रित कविगणों ने अपने काव्यपाठ के माध्यम से अटल जी को याद किया। श्री कपिल देव तिवारी ने पढ़ा अटल तुम्हारा अभिनंदन है। अर्पित भावों का चन्दन है। कवि डॉ. पीयूष मिश्र पीयूष ने तुम जन मन के भूगोल बने जीवित इतिहास तुम्हीं तो हो, सतरंगी वैभव के नक्षत्र उज्जवल आकाश तुम्हीं तो हो, काव्य पंक्तियां सुनाकर अटल जी को याद किया। कवि डॉ. विनम्र सेन सिंह ने पढ़ा गांव गांव शहर शहर बनते बिगड़ते हैं लोग। गीतकार श्री शैलेन्द्र मधुर ने पढ़ा कुछ फर्क नहीं होता दोनों की हालत में। हम भी हैं अदालत में तुम भी हो अदालत में। कवि वेदान्ती ने मैं हूं राष्ट्रप्रेम का भूखा तुम मुझसे अभिसार न करना, अभी सूर्य की किरण खिली है और अधिक अंधकार न करना। श्री बिहारी लाल अंबर ने अपनी चुटीली रचनाओं से हंसाया। संस्कृत शिक्षक डॉ. पीयूष मिश्र ने कार्यक्रम का कुशल संचालन किया। अन्त में धन्यवाद ज्ञापन डॉ. प्रदीप कुमार त्रिपाठी, सहायक आचार्य, व्यावहारिक अर्थशास्त्र विभाग द्वारा किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के प्राध्यापकगण सहित सैकड़ों विद्यार्थियों की उपस्थिति उल्लेखनीय रही।भाषण प्रतियोगिता में विभिन्न विभागों के छात्र–छात्राओं ने अत्यंत उत्साहपूर्वक भाग लिया। सभी वक्ताओं ने आत्मविश्वास, स्पष्ट उच्चारण एवं तथ्यपरक प्रस्तुति से श्रोताओं को प्रभावित किया।प्रतियोगिता का मूल्यांकन डॉ. प्रदीप कुमार त्रिपाठी, डॉ. अजीत सिंह तथा डॉ. सोनम राय के निर्णायक मंडल द्वारा किया गया। निर्णायक मंडल ने विषय–वस्तु, भाषा शैली, आत्मविश्वास एवं समय प्रबंधन के आधार पर प्रतिभागियों का मूल्यांकन किया। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान सानिया केसरवानी (प्ट। प्रथम सेमेस्टर), द्वितीय स्थान अभिजीत तिवारी (प्ट। पंचम सेमेस्टर) एवं तृतीय स्थान कोमल मिश्रा (प्टै प्रथम सेमेस्टर) को प्राप्त हुआ। कार्यक्रम के अंत में विजेताओं को प्रमाण–पत्र एवं पुरस्कार प्रदान किए गए। राष्ट्रगान के पश्चात समापन हुआ।

इंदौर इकाई की काव्यगोष्ठी सम्पन्न

इंदौर। शहर समता विचार मंच इंदौर इकाई दिसंबर माह की काव्य गोष्ठी अटल बिहारी वाजपेई जी के जन्मदिन के उपलक्ष्य में आशा जाकड़ के संयोजन में काव्य गोष्ठी सफलतापूर्वक संपन्न। कार्यक्रम अध्यक्ष उमा मिश्रा प्रीति की अध्यक्षता में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई ।इस काव्यगोष्ठी की मुख्य अतिथि डॉ साधना शुक्ला एवं विशिष्ट अतिथि अनीता दुबे। काव्य गोष्ठी का शुभारंभ अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन और सरस्वती की मूर्ति में माल्यार्पण द्वारा किया गया। सरस्वती वंदना डॉ.शशि निगम के द्वारा की गयी। काव्य गोष्ठी का कुशल संचालन शोभारानी.तिवारी ने किया ।इस काव्य गोष्ठी में सखियों ने सुंदर रचनाओं की प्रस्तुति दी। डा.अंजुल कंसल,संतोष तोषनीवाल,डा. शशिकला अवस्थी, ,डॉ शशि निगम, प्रभा तिवारी, हेमा जैन,सुषमा शुक्ला, शोभा रानी तिवारी , सुनीता संतोषी ,गायत्री शर्मा और सुरेखा सरोदे ,आदि की सुंदर रचनाओं की प्रस्तुति द्वारा आयोजन में चार चांद लगा दियें , धन्यवाद ज्ञापन डा.अंजुल कंसल ने किया।

अटल जी की सोच और उनका कृतित्व राष्ट्र के नवनिर्माण हेतु प्रेरक : मनीष

करछना। अपनी स्वस्थ्य,स्वच्छ,पारदर्शी राजनयिक छवि के साथ–साथ देश सेवा के प्रति संकल्पबद्ध रहे पूर्व प्रधानमंत्री,भारत रत्न अटल बिहारी बाजपेई जी का चरित्र चिंतन,कृतित्व और व्यक्तित्व राष्ट्र के बहुमुखी उन्नयन और सर्व समाज के विकास के प्रति प्रेरक एवं सराहनीय है।इसी प्रकार महान् शिक्षाविद्,मानवता के प्रणेता,भारत रत्न महामना मदन मोहन मालवीय जी के आदर्श भी हमें जीवन के प्रति प्रेरणा देते हैं।हमें ऐसे महापुरुषों के जीवन से सीख लेकर राष्ट्र के नवनिर्माण हेतु आगे बढ़ाने की जरूरत है। अटल जी और मदन मोहन मालवीय जी की जयंती के अवसर पर यह बातें क्षेत्र के रामपुर स्थित बृज मंगल सिंह इंटर कॉलेज के सभागार में आयोजित कार्यक्रम के दौरान प्रधानाचार्य मनीष तिवारी ने कहीं। प्रवक्ता जगतपाल और एनसीसी अधिकारी रमेश चंद्र तिवारी ने भी जय जवान,जय किसान के साथ अटल जी द्वारा दिए गए जय विज्ञान के नारे को समय की जरूरत बताते हुए श्रद्धा सुमन अर्पित किए। छात्र आर्यन झा और छात्रा रंजना ने भी अटल की कविताओं का पाठ कर खूब तालियां बटोरी ।इस दौरान प्रवक्ता जितेंद्र कुमार,शिक्षक हरिशंकर तिवारी एवं सुरेश कुमार के निर्देशन में संपन्न हुई श्अटल के कृतित्व और व्यक्तित्वश नामक निबन्ध प्रतियोगिता में विद्यालय के सीनियर और जूनियर ग्रुप से कुल 40 छात्र –छात्राओं ने प्रतिभाग किया। जिसमें मुस्कान प्रजापति कविता शर्मा,आदित्य प्रजापति और अनीश अपने अपने ग्रुप में विजेता रहे। इस मौके पर शिक्षक,कर्मचारी और बच्चे मौजूद रहे।

सम्पादकीय.....

साइबर ठगी का जाल

शायद ही कोई दिन ऐसा जाता होगा जब कोई बुजुर्ग या आम लोग साइबर ठगी के शिकार न हुए हों। पिछले दिनों महाराष्ट्र में एक सेवानिवृत्त जज भी डिजिटल अरेस्ट स्कैम के शिकार हो गए। पिछले सप्ताह ऐसा ही एक अन्य दुखद मामला पुणे से सामने आया जब साइबरों ठगों ने एक 82 वर्षीय सेवानिवृत्त अधिकारी को डिजिटल हाउस अरेस्ट स्कैम में फंसाकर 1.19 करोड़ लूट लिए। कई दिन के मानसिक उत्पीड़न व आर्थिक क्षति से टूट गए वृद्ध की आखिर सदमे से मौत हो गई। यह विचारणीय पहलू है कि कैसे पढ़े–लिखे लोग साइबर ठगों की साजिश की गिरफ्त में आ जाते हैं। वैसे आम आदमी को साइबर ठगों व फर्जी फोन कॉल्स से बचाने के लिये पुख्ता व्यवस्था होना बेहद जरूरी है। आम लोगों की सुविधा व सुरक्षा के लिये सरकार के प्रयासों के बाद अब दूरसंचार विभाग ने मार्च 2026 में ऐसी व्यवस्था लागू करने के तैयारी की, जिसमें बिना ट्रू–कॉलर के खुद मोबाइल अवांछित फोन के प्रति सजग करेगा। नियामक संस्था ट्राई ने इस प्रस्ताव पर सहमति जतायी है। यह विडंबना ही कि जैसे–जैसे नई तकनीक आम आदमी के जीवन में सुविधा लाती है, वहीं असामाजिक तत्व उसे लूट–खसोट का हथियार बनाने में आगे निकल जाते हैं। देश में इंटरनेट सेवाओं के विस्तार और मोबाइल फोन की संख्या में अप्रत्याशित वृद्धि के साथ ही साइबर अपराधों में खासी तेजी आई है। जरा सी चूक होने पर लाखों लोग, साइबर धोखाधड़ी में अपने जीवनभर की पूंजी कुछ ही क्षणों में गवां देते हैं। अपराधियों का संजाल इतना विस्तृत व रहस्यमय है कि प्रवर्तन एजेंसियां जब तक उन तक पहुंचती हैं, पैसा विदेशों में ट्रांसफर हो जाता है। इस संकट का एक पहलू अनजान नंबरों से आने वाली फोन कॉल्स होती हैं, जिसके जरिये अपराधी लोगों को भ्रमित कर जीवन की जमा पूंजी लूट लेते हैं। दरअसल, संचार क्रांति के चलते तमाम सेवाएं ऑनलाइन उपलब्ध हुई हैं, लेकिन इस सुविधा के साथ पुरानी पीढ़ी साम्य नहीं बैठा पाती है। अब इसी चुनौती को दूर करने के लिये दूरसंचार विभाग आम उपभोक्ता को ऐसी सुविधा देने जा रहा है, जिसमें फोन करने वाले को पहचाना जा सकेगा। फोन पर कॉल करने वाले व्यक्ति का नाम लिखा नजर आएगा। फिर व्यक्ति अपनी सुविधा अनुसार फोन कॉल्स लेना तय कर सकता है। दूरसंचार नियामक ट्राई की मंजूरी के बाद इस दिशा में तेजी से काम हो रहा है। हालांकि, फोन करने वाले व्यक्ति की जानकारी जुटाने के कई ऐप अभी भी मौजूद हैं, लेकिन उनका उपयोग कुछ ही लोग कर पाते हैं। वैसे ऐसा निश्चित रूप से नहीं कहा जा सकता कि ऐप द्वारा दी जाने वाली सूचना सटीक है। ऐसे में यदि दूरसंचार विभाग की कोशिश सिरे चढ़ती है तो इससे करोड़ों उपभोक्ताओं को सुरक्षा कवच मिल पाएगा। पहले इस सुविधा का लेना मांग पर आधारित था, लेकिन बाद में तय किया गया कि यह सुविधा प्रत्येक मोबाइल उपयोगकर्ता को उपलब्ध करायी जाएगी। विश्वास किया जा रहा है कि अगले साल मार्च तक पूरे देश में यह सुविधा उपलब्ध हो जाएगी। जानकारों का मानना है कि इस सुविधा से किसी सीमा तक मोबाइल के जरिये धोखाधड़ी करने वाले अपराधियों पर नकेल कसी जा सकेगी। मोबाइल उपयोगकर्ता की सजगता इसमें मददगार हो सकेगी। स्क्रीन पर अनजान नंबर व नाम देखने के बाद मोबाइलधारक फोन कॉल्स को उठाने से बच सकता है। वैसे इसके साथ ही देश में डिजिटल साक्षरता की दिशा में व्यापक पहल करने की जरूरत है। विभिन्न सूचना माध्यमों के जरिये लोगों को सजग–सतर्क किए जाने की आवश्यकता है। शहरों से लेकर ग्राम पंचायतों तक जनजागरण अभियान चलाकर लोगों को बताया जाना चाहिए कि बैंक, सीबीआई, कोर्ट या अन्य प्रवर्तन एजेंसियां कभी फोन करके उनके बैंक खाते या अन्य मामलों की जानकारी नहीं मांगती हैं। ऐसे फर्जी कॉल्स की प्रमाणिकता की पुष्टि करने के लिये हेल्पलाइन सुविधाओं में विस्तार करने की भी जरूरत है। देश में मोबाइल नेटवर्क उपलब्ध कराने वाली कंपनियों को भी बाध्य किया जाना चाहिए कि वे उपयोगकर्ताओं को शिक्षित करके संदिग्ध फोन नंबरों के प्रति सचेत करें।

राष्ट्र निर्माण की दिशा में बड़े बदलाव लाने वाली भारत की शीर्ष सबसे

शक्तिशाली महिला राजनेताएँ

डॉ. अतुल मलिकराम

(राजनीतिक रणनीतिकार)

भारतीय लोकतंत्र की सबसे बड़ी विशेषता उसकी विविधता, समावेशिता और निरंतर विकास है। इस लोकतंत्र की आत्मा में महिलाओं का नेतृत्व एक ऐसी सशक्त धारा के रूप में उभरा है जो न केवल सत्ता के शीर्ष पदों पर काबिज है, बल्कि समाज के हर वर्ग को न्याय, अवसर और सम्मान प्रदान करने में अग्रणी भूमिका निभा रही है। आज भारत में महिला नेतृत्व को वैश्विक मंच पर भी व्यापक सराहना मिल रही है। अंतरराष्ट्रीय सर्वेक्षणों और प्रतिष्ठित सूचियों में भारतीय महिला नेताओं की लगातार मौजूदगी इस बात का प्रमाण है कि भारत न केवल विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र है, बल्कि महिला सशक्तिकरण का एक सशक्त और प्रेरणादायी मॉडल भी बनकर उभर रहा है। आजाद भारत की इस सूची में पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी से लेकर वर्तमान केंद्रीय राज्यमंत्री अनुप्रिया पटेल तक कई प्रभावशाली नाम शामिल हैं।

भारत की पहली और एकमात्र महिला प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी भारतीय राजनीति की सबसे प्रभावशाली शख्सियतों में से एक हैं। उनके नेतृत्व में भारत ने 1971 के भारत–पाकिस्तान युद्ध में ऐतिहासिक विजय प्राप्त की, जिसके परिणामस्वरूप बांग्लादेश का निर्माण हुआ। बैंकों का राष्ट्रीयकरण, गरीबी हटाओ जैसे नारे, हरित क्रांति की शुरुआत और 1974 का परमाणु परीक्षण जैसे साहसिक फैसले उनके कार्यकाल की पहचान हैं। इस कड़ी में पूर्व विदेश मंत्री सुषमा स्वराज भारतीय राजनीति की सबसे लोकप्रिय और प्रभावशाली महिलाओं में शुमार हैं। उनकी वक्तृत्व कला संसद से लेकर संयुक्त राष्ट्र तक गूंजी। विदेश नीति को उन्होंने मानवीय चेहरा दिया। सोशल मीडिया के माध्यम से संकटग्रस्त भारतीयों की मदद कर उन्होंने एक नया कीर्तिमान स्थापित किया। पासपोर्ट, वीजा और विदेश में फंसे नागरिकों की समस्याओं का त्वरित समाधान उनकी पहचान बना। कोई दो राय नहीं कि सुषमा स्वराज ने महिला नेतृत्व को संवेदनशील, पहुंचयोग्य और जनकेंद्रित बनाया।

वर्तमान भारतीय राजनीति में अनुप्रिया पटेल एक ऐसी युवा नेता हैं जो सामाजिक न्याय, संगठनात्मक मजबूती, महिलाओं का सशक्तिकरण और युवा नेतृत्व का प्रतीक बनकर उभरी हैं। अपना दल (एस) की राष्ट्रीय अध्यक्ष और केंद्र सरकार में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण तथा रसायन एवं उर्वरक राज्य मंत्री के रूप में वे निरंतर सक्रिय हैं। कम उम्र में राष्ट्रीय राजनीति में प्रवेश कर उन्होंने पिछड़े वर्गों, दलितों, वंचितों और उपेक्षित समुदायों की आवाज को संसद और सत्ता के गलियारों तक पहुंचाया। वे टीबी उन्मूलन कार्यक्रम, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन और कोविड जैसी महामारियों के दौरान स्वास्थ्य ढांचे को मजबूत करने में महत्वपूर्ण योगदान दे चुकी हैं। वहीं पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने दशकों के वामपंथी शासन को चुनौती देकर सत्ता परिवर्तन का एक ऐतिहासिक उदाहरण प्रस्तुत किया। सादगी, जुझारूपन और जनता से सीधा जुड़ाव उनकी राजनीति की सबसे बड़ी ताकत है। कन्याश्री, रूपश्री, स्वास्थ साथी और लक्ष्मीर भांडार जैसी क्रांतिकारी योजनाओं से उन्होंने महिलाओं, बालिकाओं और गरीब परिवारों का जीवन बदला। ममता बनर्जी ने दिखाया कि राजनीति जनता की सेवा का माध्यम है और जमीनी संघर्ष से बड़ी से बड़ी सत्ता को बदला जा सकता है।

उत्तर प्रदेश की चार बार मुख्यमंत्री रहीं मायावती भारतीय राजनीति में दलित सशक्तिकरण की सबसे बड़ी प्रतीक हैं। बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में उन्होंने अंबेडकर और कांशीराम की विचारधारा को आगे बढ़ाते हुए दलितों, पिछड़ों और वंचित वर्गों को राजनीतिक शक्ति और आत्मसम्मान प्रदान किया। वहीं तमिलनाडु की पूर्व मुख्यमंत्री और अन्ना डीएमके की सर्वोच्च नेता जयललिता (अम्मा) भारतीय राजनीति की सबसे करिश्माई महिलाओं में से एक थीं। फिल्म जगत की सुपरस्टार से राजनीति में प्रवेश कर उन्होंने एम.जी. रामचंद्रन की विरासत को आगे बढ़ाया। छह बार मुख्यमंत्री बनकर उन्होंने तमिलनाडु को विकास के नए आयाम दिए। जयललिता ने महिला नेतृत्व को करिश्मा, साहस और जनप्रियता का चेहरा दिया। उनकी कमी आज भी तमिलनाडु की राजनीति में खलती है।

वर्तमान वित्त मंत्री और रक्षा मंत्री रह चुकी निर्मला सीतारमण भारत की पहली पूर्णकालिक महिला वित्त मंत्री हैं। वैश्विक आर्थिक संकटों, कोविड महामारी, यूक्रेन संकट और भू–राजनीतिक चुनौतियों के बीच उन्होंने भारतीय अर्थव्यवस्था को मजबूती, स्थिरता और तेज विकास की राह पर बनाए रखा। आत्मनिर्भर भारत अभियान, उत्पादन संबद्ध प्रोत्साहन योजनाएं, स्टार्टअप इंडिया को बढ़ावा और महिलाओं–युवाओं पर केंद्रित बजट प्रावधान उनके नेतृत्व की विशेषताएं हैं। वहीं भारतीय जनता पार्टी की वरिष्ठ नेता और ताई के नाम से लोकप्रिय सुमित्रा महाजन भारतीय राजनीति में संसदीय परंपराओं और अनुशासन की सबसे बड़ी मिसाल हैं। 1989 से 2019 तक इंदौर से लगातार आठ बार लोकसभा सांसद चुनी जाने वाली वे देश की पहली महिला हैं जिन्होंने एक ही सीट से इतनी लंबी सेवा दी। 2014 से 2019 तक 16वीं लोकसभा की स्पीकर रहते हुए उन्होंने सदन की कार्यवाही को निष्पक्षता और गरिमा प्रदान की। उनकी लंबी संसदीय यात्रा भारतीय लोकतंत्र में महिला नेतृत्व की मजबूती का प्रमाण है।

भारतीय जनता पार्टी की वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री उमा भारती भारतीय राजनीति में हिंदुत्व, सामाजिक न्याय और जल संरक्षण की सबसे जुझारू आवाज हैं। साध्वी के रूप में जानी जाने वाली और 2003 में मध्य प्रदेश की मुख्यमंत्री बनकर उभरीं उमा भारती ने कांग्रेस के लंबे शासन को समाप्त किया और राज्य में विकास की नई लहर की शुरुआत की। उमा भारती ने महिला नेतृत्व को साहस, त्याग और राष्ट्रभक्ति का चेहरा दिया है। वहीं समाजवादी पार्टी की सांसद और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव की पत्नी डिंपल यादव उत्तर प्रदेश की राजनीति में एक शांत लेकिन मजबूत आवाज हैं। मैनपुरी और कन्नौज से सांसद रह चुकीं डिंपल महिलाओं, परिवार, शिक्षा और स्वास्थ्य से जुड़े मुद्दों पर संसद में सक्रिय रहती हैं। डिंपल यादव कम शब्दों में प्रभावी तरीके से मुद्दे उठाती हैं और युवा पीढ़ी की महिलाओं के लिए एक आदर्श प्रस्तुत करती हैं।

दिलों में बस जाने वाली धड़क 2 का वर्ल्ड टेलीविजन प्रीमियर, देखिए जी सिनेमा पर 27 दिसंबर रात 9 बजे

'दिसम्बर 2025' जी सिनेमा दर्शकों के लिए लेकर आ रहा है धड़क 2 का वर्ल्ड टेलीविजन प्रीमियर– एक ऐसी फिल्म जो अपने गहरे जज्बातों, दमदार किरदारों और दिलों के तार छेड़ देने वाली कहानी के साथ आपके लिए यादगार बन जाती है। तृप्ति डिमरी और सिद्धांत चतुर्वेदी की मुख्य भूमिकाओं से सजी यह फिल्म गहराई, सच्चे जज्बात और दमदार असर वाले अभिनय से सजी है। एक से बढ़कर एक सहायक कलाकारों और एक ऐसी दुनिया के साथ, जो पूरी तरह असली और जज्बातों से भरी लगती है, धड़क 2 उन दर्शकों के लिए खास है, जो दिलचस्प कहानी और हाई इंटेंस ड्रामा देखना पसंद करते हैं। देखिए श्धड़क 2श का शानदार वर्ल्ड टीवी प्रीमियर, सिर्फ जी सिनेमा पर, शनिवार 27 दिसंबर रात 9 बजे।

इस फिल्म के प्रीमियर को लेकर सिद्धांत चतुर्वेदी कहते हैं, "धड़क 2 भावनाओं की उस दुनिया में चलती है, जहाँ सब कुछ बहुत इंटेंस और बिल्कुल वास्तविक लगता है। निलेश का किरदार निभाने का मतलब था उन पलों को जीना, जहाँ वह लगातार अपनी सीमाओं तक धकेला जाता है, और उसे पर्दे पर जीना बेहद प्राकृतिक और पूरी तरह से सच्चा लगा। इस फिल्म की तरफ सबसे ज्यादा खींचने वाली बात इसकी मजबूत लिखावट थी, जहाँ हर किरदार, चाहे छोटा हो या बड़ा, कहानी को एक मतलब और वजन देता है। दर्शकों से निलेश को जो प्यार और अपनापन मिला है, वह मेरे लिए बहुत खास और दिल को छू लेने वाला है और यही जुड़ाव इस पूरे सफर को और भी यादगार बना देता है। मुझे खुशी है कि जी सिनेमा पर वर्ल्ड टीवी प्रीमियर के जरिए यह फिल्म ज्यादा से ज्यादा घरों तक पहुँचेगी और दर्शकों से जुड़ेगी।" फिल्म की निर्देशक शाजिया इकबाल बताती हैं, "धड़क 2 ऐसे किरदारों की कहानी है, जो अधूरे हैं, साहसी हैं और पूरी तरह इंसानी हैं। यह कहानी टकराव, फैसलों और दिलों में उठते उन तूफानों की बात करती है, जिनसे लोग तब गुजरते हैं, जब जिंदगी उनकी उम्मीदों के मुताबिक नहीं चलती। तृप्ति और सिद्धांत ने अपने किरदारों को पूरी सच्चाई से निभाया है और सह कलाकारों ने मिलकर एक ऐसी दुनिया रची है, जो जीती–जागती लगती है। मैं इस बात की शुक्रगुजार हूँ कि जी सिनेमा इस फिल्म को ज्यादा से ज्यादा दर्शकों तक पहुँचा रहा है, और मुझे उम्मीद है कि दर्शक हर पल के पीछे की गहराई, तीव्रता और सच्चाई को महसूस करेंगे।"

धड़क 2 दो ऐसे जवां दिलों की कहानी है, जिन्हें प्यार तब मिलता है, जब वे इसकी उम्मीद भी नहीं करते। लेकिन, यही प्यार उन्हें ऐसे हालात के सामने लाकर खड़ा कर देता है, जो उनकी हिम्मत, उनके भरोसे और रिश्ते की कड़ी परीक्षा लेते हैं। जैसे–जैसे उनका रिश्ता गहरा होता है, यह कहानी एक ऐसे मोड़ की तरफ बढ़ती है, जो दर्शकों को यह सोचने पर मजबूर कर देती है कि आगे उनका क्या होगा।

इस दिसंबर, जज्बातों की गहराई महसूस करने के लिए देखना न भूलें श्धड़क 2श, शनिवार 27 दिसंबर रात 9 बजे, सिर्फ जी सिनेमा पर।

सिर्फ यादें रह गईं

धारावाहिक लघु उपन्यास (भाग – 10)

लेखिका – अतिया नूर

उसका एडमिशन मैं लखनऊ में करवा के कुछ हद तक निश्चिंत थी लेकिन जिंदगी नई करवट लेने लगी और मेरा समीर उन करवटों के बोझ से दबकर कराहता रहा। समीर की बुआओं के पास इतना बड़प्पन था ही नहीं कि वो अपने भतीजे की सच्चाई से देखभाल करें और अगर उसे बिगड़ता देखें तो सही राह दिखाने की कोशिश करें। उन्हें तो मुझे बर्बाद करने का पूरा –पूरा मौका मिल गया। समीर को दो रोटी खिलाना उन्हें पहाड़ तोड़ने जैसा लगता था। उन्हें शेखर के पैसों से तो मतलब था, अपना हक लेने के लिए वो किसी भी हद तक झगड़ा कर सकती थीं लेकिन फर्ज शब्द शायद उनकी डिक्शनरी में था ही नहीं। मेरे बच्चे को यहाँ भी अपनों की उपेक्षा और साजिशों का शिकार होना पड़ा। खाना देने से बचने वाली उसकी बुआओं को एक शौक जरूर था, जिसे वो बखूबी अंजाम देती थीं। अक्सर एक तरफ बड़ी तो दूसरी तरफ छोटी बुआ मेरे बच्चे को बीच मे लिटाकर उसे मेरे खिलाफ भड़कातीं। हाल तो ये हो गया कि समीर ने मुझसे बात करनी ही बंद कर दी और अगर बात करने की कोशिश करती तो वो मुझसे भी लड़ाई करता। उसकी ये हरकतें देख बुआ जान

मंद–मंद मुस्कुराती रहतीं। मेरा समीर मेरे खिलाफ होता जा रहा था और मैं ये सब बेबसी से देखती जा रही थी। वो अक्सर फोन पर भी मुझसे ठीक से बात नहीं करता था, लेकिन जब कभी उसका मूड ठीक रहता तो वो मुझे फोन करके रो पड़ता और बताता कि उसे उस घर में कोई खाना भी ठीक से नहीं देता।उसका रोना सुन मैं तड़प उठती और उसे हालात के ठीक होने का आश्वासन देकर बहला देती। जब वो मेरे पास आता तो मैं उसकी पसंद की चीजें खिलाती–पिलाती और उसके लखनऊ जाने पर उसे बांध कर दे देती।

समय धीरे–धीरे आगे बढ़ता गया और घटनाएं घटित होती गईं। समीर की बढ़ती हुई गलतियों और बिगड़ी हुई हरकतों से मिलने वाली शिकायतों ने यहाँ भी मेरा पीछा नहीं छोड़ा। कभी दादी,दादा बुआ और चाचाओं की शिकायतें तो कभी स्कूल से मिलने वाली कम्प्लेंट। उसके स्कूल से बराबर उसके अनुपस्थित रहने की कम्प्लेंट सुनकर मैं बहुत परेशान थी। मुझे समझ नहीं आ रहा था कि अगर

समीर घर और स्कूल में नहीं है तो आखिर

जाता कहां है? किनके साथ रहता है?

मुझे उस समय ये कहां मालूम था कि स्कूल के इर्दगिर्द भी नशे के शिकारी अच्छे और पैसे वाले घरों के बच्चों का शिकार करने की फिराक में जाल बिछाए बैठे रहते हैं ! किस्मत अपना खेल–खेल रही थी और मेरे किशोर उम्र के बच्चे को उस खेल के शिकंजे में रफ्ता–रफ्ता जकड़ रही थी। जिस परेशानी और लत से निजात देने के लिए मैंने समीर को बाहर भेजा था, उस परेशानी और लत ने स्कूल के बाहर अपने पैने और शक्तिशाली नाखूनों से मेरे समीर को बुरी तरह नोचना शुरू कर दिया और जब वो इसकी गिरफ्त में आया तो फिर कभी नहीं निकल सका। समीर के नशे की आदतों से नावाकिफ थे। हमने सीधे–सीधे यही समझ लिया कि समीर हद से ज्यादा बिगड़ गया है और उसे सुधारने के लिए हम अपने वही पुराने तरीकों पर अमल करते रहे।

समीर के गुस्से की भयावहता मेरे और शेखर के समझ से बाहर थी। हमें यह समझने में बहुत समय लग गया कि समीर ये हरकतें नशे का आदी होने की वजह से कर रहा है। अपनों से उपेक्षित, प्यार की तलाश में भटका हुआ वो किशोर कभी गुस्से में घर सर पर उठा लेता, पैसों की जिद करता, कभी फूट–फूटकर रोने लगता। कभी– कभी मूड सही होने पर बिल्कुल बच्चों की तरह खिलखिला पड़ता।

प्रयागराज उत्तर प्रदेश

रचना सक्सेना की कुण्डलियाँ

सुनकर मुरली श्याम की, दौड़े गोपी ग्वाल।
राधे यमुना तीर पर, हो जाती बेहाल।।
हो जाती बेहाल, दिखें फिर सुधबुध खोती।
नाम पुकारे श्याम, खड़ी पनघट पर रोती।।
कहती रचना आज, प्यार के मोती चुनकर।
शाश्वत मीरा प्रेम, हुआ है मुरली सुनकर।।

सुनकर मुरली श्याम की, फैल गया अनुराग।
बेचैनी हिय में बढ़ी, तन में लगती आग।।
तन में लगती आग, गोपियाँ दौड़ी आती।
मुरली सुनते ग्वाल, गाय भी सुन मडलाती।।
राधे रचना देख, सजीले सपने बुनकर ।
सुधबुध खोती आज, राधिका मुरली सुनकर।।

रचना सक्सेना
अलोपीबाग
प्रयागराज

बॉर्डर 2 के लिए अहान शेट्टी ने घटाया अपना 5 केजी वजन, बोले- यह आसान नहीं था, इसके लिए...

एक्टर अहान शेट्टी इन दिनों अपकमिंग फिल्म बॉर्डर 2 को लेकर काफी चर्चा में हैं। इस फिल्म में अपनी दमदार छाप छोड़ने के लिए अहान जी तोड़ मेहनत कर रहे हैं। वहीं, हाल ही में एक इंटरव्यू में एक्टर ने खुलासा किया कि इस फिल्म के लिए उन्होंने अपना 5 किलो वजन घटाया है। इसके साथ ही उन्होंने अपने किरदार के लिए अन्य तैयारियों का भी खुलासा किया। अहान शेट्टी ने आईएएनएस से बातचीत में कहा, मैं बॉर्डर 2 में एक नेवी ऑफिसर का किरदार निभा रहा हूं। इस भूमिका के लिए मुझे ऐसी बॉडी चाहिए थी, जो ताकतवर होने के साथ-साथ फुर्तीली और जंग के लिए तैयार लगे। इस लुक को पाने के लिए मैंने लगभग 5 किलो वजन कम किया। लेकिन, यह वजन घटाना आसान नहीं था। इसके लिए एक सही डाइट स्ट्रेटजी अपनानी पड़ी। उन्होंने कहा, मैंने अपनी डाइट में ऐसा खाना चुना, जिससे शरीर को भरपूर एनर्जी मिले और मसल्स को भी मजबूती मिले। इसके लिए प्रोटीन और हेल्दी फैट पर ज्यादा ध्यान दिया। साथ ही कार्बोहाइड्रेट की मात्रा कम की ताकि शरीर की चर्बी धीरे-धीरे कम हो सके। मेरा मकसद सिर्फ पतला दिखना नहीं था, बल्कि एक ऐसे सैनिक जैसा शरीर बनाना था, जो हर समय एक्टिव और तैयार नजर आए। अहान ने कहा, श्इस तैयारी में अनुशासन सबसे अहम था। मेरा खाना ट्रेनिंग और शूटिंग के समय के हिसाब से तय होता था। शूटिंग के दौरान मैंने कोई भी चीट डे मील नहीं लिया। एक सैनिक की जिंदगी में लापरवाही की कोई जगह नहीं होती और मैं यही सच्चाई पर्दे पर दिखाना चाहता हूं। मेरा मानना है कि जब कलाकार खुद उस अनुशासन को अपनाता है, तभी किरदार में सच्चाई नजर आती है। फिल्म की शूटिंग के अनुभव को लेकर एक्टर ने कहा, बॉर्डर 2 की शूटिंग पुणे के नेशनल डिफेंस अकादमी (एनडीए) में हुई। यह जगह मेरे लिए एक तरह से सीखने का एक बड़ा मौका था। असली सैन्य संस्थान में रहकर ट्रेनिंग और शूटिंग करना शारीरिक रूप से काफी थकाने वाला था, लेकिन मानसिक रूप से यह एक्सपीरियंस मुझे मजबूत बना रहा था। वहां का अनुशासन, दिनचर्या और माहौल मेरे अभिनय में गहराई लाने में मददगार साबित हुआ। बता दें, बॉर्डर 2 अगले साल 23 जनवरी को सिनेमाघरों में रिलीज की जाएगी। इस फिल्म में अहान शेट्टी के अलावा वरुण धवन, सनी देओल और दिलजीत दोसांझ जैसे सेलेब्स नजर आएंगे।

> निकाह के बाद से ही मावरा होकेन इससे जुड़ी हर रस्म की तस्वीरें शेयर कर रही हैं। बात पक्की, हल्दी सेरेमनी की तस्वीरों के बाद अब मावरा होकेन ने मेहंदी सेलिब्रेशन की तस्वीरें शेयर की हैं।

Tu Meri Main Tera Main Tera Tu Meri X Review- क्या कार्तिक-अनन्या की रोमांटिक जोड़ी को इंटरनेट ने पसंद किया?

कार्तिक आर्यन और अनन्या पांडे की रोमांटिक कॉमेडी फिल्म क्रिसमस के मौके पर रिलीज़ हुई। समीर विदवान्स द्वारा निर्देशित इस फिल्म में कार्तिक आर्यन पहली बार धर्मा प्रोडक्शन की फिल्म में लीड एक्टर के तौर पर नज़र आ रहे हैं। डायरेक्टर-एक्टर की जोड़ी की साथ में पहली फिल्म, सत्यप्रेम की कथा, 2019 में रिलीज़ हुई थी। यह रिलीज़ इसलिए भी खास है क्योंकि 2021 में दोस्ताना 2 को लेकर हुए विवाद के बाद यह पहली बार है जब करण जौहर और कार्तिक आर्यन साथ काम कर रहे हैं। अब जब तू मेरी मैं तेरा मैं तेरा तू मेरी सिनेमाघरों में रिलीज़ हो गई है, तो इसके ग रिव्यू भी आ गए हैं। तो आइए जानते हैं कि सोशल मीडिया यूज़र्स इस रोमांटिक कॉमेडी के बारे में क्या कह रहे हैं।

तू मेरी मैं तेरा मैं तेरा तू मेरी एक्स रिव्यू

अब तक कार्तिक और अनन्या की फिल्म को ग यूज़र्स से मिले-जुले रिव्यू मिले हैं। एक एक्स पोस्ट में लिखा था '#TuMeriMainTeraMainTeraTuMeri एक टिपिकल रोमांटिक कॉमेडी है जिसमें आपको धर्मा-स्टाइल के शानदार विज़ुअल्स देखने को मिलते हैं। फिल्म का बेसिक प्लॉट कमज़ोर लगता है और इसे विज़ुअल्स और गानों से कवर करने की कोशिश की गई है। पहले हाफ में आपको हल्की-फुल्की कॉमेडी मिलती है, जो धीरे-धीरे दूसरे हाफ में इमोशनल हो जाती है और कई जगहों पर यह सपाट और बोरिंग लगती है।

एक और यूज़र ने लिखा, '#TuMeriMainTeraMainTeraTuMeri एक पूरी तरह से मज़ेदार फिल्म है जो सही इमोशनल और एंटरटेनमेंट नोट्स पर खरी उतरती है। फिल्म शुरू से आखिर तक एक मज़बूत कहानी के साथ दर्शकों को बांधे रखती है।'

तू मेरी मैं तेरा मैं तेरा तू मेरी कास्ट

तू मेरी मैं तेरा मैं तेरा तू मेरी की कहानी श्रीकांत शर्मा ने लिखी है। इसे समीर विदवान्स ने डायरेक्ट किया है, जिन्होंने 2023 की फिल्म सत्यप्रेम की कथा में कार्तिक को डायरेक्ट किया था। लीड जोड़ी के साथ-साथ नीना गुप्ता, जैकी श्रॉफ और टीकू तलसानिया भी फिल्म में नज़र आएंगे। फिल्म 2 घंटे 25 मिनट लंबी है। यह पिछले साल भूल भुलैया 3 की सफलता के बाद कार्तिक आर्यन की पहली फिल्म है। दूसरी ओर, अनन्या पांडे हाल ही में अक्षय कुमार की फिल्म केसरीः चौप्टर 2 में नज़र आई थीं। इसके अलावा, यह पति पत्नी और वो के बाद उनका दूसरा कोलैबोरेशन है, जो छह साल पहले रिलीज़ हुई थी।

पैपराजी को लेकर जया बच्चन के बयान पर भड़के हिंदुस्तानी भाऊ, बोले-खुद 150 की साड़ी पहनती और कहती हैं कि..

बॉलीवुड की दिग्गज एक्ट्रेस जया बच्चन और पैपराजी के बीच का रिश्ता लंबे समय से तनावपूर्ण रहा है। जया बच्चन कई बार सार्वजनिक जगहों पर बिना अनुमति फोटो खींचने को लेकर पैपराजी पर नाराजगी जाहिर कर चुकी हैं। इसी मुद्दे पर दिया गया उनका एक पुराना बयान एक बार फिर चर्चा में आ गया है, जिस पर अब बिग बॉस 13 के चर्चित कंटेस्टेंट हिंदुस्तानी भाऊ ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। हिंदुस्तानी भाऊ ने एक वीडियो बयान में जया बच्चन को निशाने पर लेते हुए कहा कि वो जया बच्चन जो खुद 150 रुपए की साड़ी पहनती है, पुराना बाजार से और वो इन लोगों को गरीब बोलती हैं और कहती हैं कि कैसे गंदे कपड़े पहनकर आते हैं। तुम लोग क्यों जाते हो ऐसे इंसान के पास, जहां आपको इज्जत नहीं मिलती। आप लोगों की वजह से ये लोग दिख रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि जाकर अपने बॉस को बोलो कि तू जा, वहां पर हमारी इज्जत नहीं होती है। जब तू बेइज्जत हो जाएगा ना, तब तेरे को पता चलेगा। हिंदुस्तानी भाऊ का ये बयान सोशल मीडिया पर खूब सुर्खियां बटोर रहा है और लोग उनकी बात के साथ पूरी सहमति जता रहे हैं। बीते दिनों एक इंटरव्यू में जया बच्चन ने कहा था कि उनका पैपराजी के साथ कोई रिश्ता नहीं है और वे उन लोगों की आलोचना करती हैं जो सिर्फ मोबाइल लेकर उन्हें फोटो खींचने लगते हैं। उन्होंने कहा था- यह जो बाहर ड्रेन पाइप टाइट गंदे-गंदे पैंट पहनकर, हाथ में मोबाइल लेकर, वे सोचते हैं कि आपकी फोटोज खींच सकते हैं और जो मन आता है कहते हैं। वे किस तरह के कमेंट्स पास करते हैं। यह कैसे लोग हैं? कहां से आते हैं? किस तरह का एजुकेशन है? क्या बैकग्राउंड है?

धुरंधर के सीक्वल को लेकर मेकर्स का बड़ा ऐलान, 2026 में पांच भाषाओं में रिलीज होगा पार्ट 2

5 दिसंबर को रिलीज हुई रणवीर सिंह स्टारर धुरंधर लगातार अपना जलवा बिखेर रही है। बॉक्स ऑफिस पर इसे तगड़ी कमाई के साथ दर्शकों का भी जबरदस्त रिस्पॉन्स मिल रहा है। इसके साथ ही दर्शक इसके दूसरे पार्ट को लेकर भी एक्साइटमेंट दिखाने लगे हैं। इसी बीच मेकर्स ने जानकारी दी कि इस फिल्म का सीक्वल अगले साल रिलीज होगा। दर्शकों की स्वाभाविक मांग को देखते हुए और भारत के साथ-साथ विदेशों में बसे साउथ इंडियन दर्शकों को ध्यान में रखते हुए, धुरंधर के मेकर्स ने फैसला किया है कि धुरंधर 2 को शुरुआत से ही सभी प्रमुख भाषाओं में रिलीज किया जाएगा। मेकर्स ने खुलासा किया कि धुरंधार 2 को ईद 2026 में 19 मार्च 2026 को रिलीज किया जाएगा। यह फिल्म एक साथ हिंदी, तेलुगु, तमिल, कन्नड़ और मलयालम, पांच भाषाओं में रिलीज होगी। फिल्म का निर्देशन नेशनल अवॉर्ड विनर आदित्य धर कर रहे हैं। धुरंधार 2 में कहानी और एक्शन दोनों को पहले से कहीं ज़्यादा बड़े स्तर पर पेश किया जाएगा। फिल्म इस समय पोस्ट-प्रोडक्शन में है और इसे 2026 की सबसे ज़्यादा चर्चित और बहुप्रतीक्षित भारतीय फिल्मों में माना जा रहा है।

विकी कौशल ने 'इक्कीस' को बताया प्रेरणादायक, कहा असली हीरो बनने के लिए उम्र नहीं, हिम्मत चाहिए

बॉलीवुड में नए चेहरे हमेशा ही दर्शकों के लिए उत्साह का कारण होते हैं और इस कड़ी में अक्षय कुमार की भांजी सिमर भाटिया अपनी शुरुआत के लिए पूरी तरह तैयार हैं। सिमर अपनी पहली फिल्म 'इक्कीस' से बड़े पर्दे पर कदम रखने जा रही हैं। फिल्म में अमिताभ बच्चन के नाती अगस्त्य नंदा लीड रोल में नजर आने वाले हैं। फिल्म रिलीज से पहले ही सुर्खियों में बनी हुई है। वहीं अब एक्टर विक्की कौशल ने भी फिल्म को लेकर अपने विचार रखे हैं। फिल्म को लेकर विक्की कौशल ने कहा एक दमदार मैसेज में विक्की कौशल ने बताया कि असली हीरो बनने के लिए उम्र नहीं, हिम्मत चाहिए। इक्कीस के बारे में बात करते हुए उन्होंने याद दिलाया कि जज्बा अगर फौलादी हो, तो 21 की छोटी-सी उम्र में भी दास्तानें लिखी जाती हैं। भारत के सबसे कम उम्र के परमवीर चक्र वीर सेकंड लेफ्टिनेंट अरुण खेत्रपाल की जिंदगी से प्रेरित, पापे बड़े परदे पर लेकर आ रही है बेखौफ बहादुरी, जुनून और बलिदान की कहानी एक ऐसी कहानी जो हर पीढ़ी को मोटिवेट करती रही है और करती रहेगी।'इक्कीस' फिल्म भारत के सबसे कम उम्र के परमवीर चक्र विजेता सेकंड लेफ्टिनेंट अरुण खेत्रपाल की प्रेरक जिंदगी पर आधारित है। फिल्म उनकी बहादुरी, जुनून और बलिदान की कहानी बड़े पर्दे पर दिखाएगी। फिल्म का संदेश साफ है असली हीरो बनने के लिए उम्र नहीं, हिम्मत चाहिए। फिल्म में सिमर भाटिया ने अरुण खेत्रपाल की बहन के किरदार में अहम भूमिका निभाई है। इसके अलावा धर्मेंद्र उनके पिता एम.एल. खेत्रपाल की भूमिका में हैं। फिल्म में जयदीप अहलावत और सिकंदर खेर भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में दिखाई देंगे। 'इक्कीस' पहले 25 दिसंबर 2025 को रिलीज होने वाली थी, लेकिन रिलीज से कुछ दिन पहले मेकर्स ने इसे 1 जनवरी 2026 के लिए पोस्टपोन कर दिया।

अंग्रेजी मीडियम की शूटिंग के दौरान प्तदि ज़ींद की बिगड़ गई थी तबीयत, उन्हें बहुत ज़्यादा दर्द हो रहा था, कॉस्ट्यूम डिज़ाइनर ने खुलासा किया

एक्टर इरफ़ान खान आखिरी बार होमी अदजानिया की फिल्म अंग्रेजी मीडियम में नज़र आए थे, जो 2020 में उनकी मौत से कुछ दिन पहले रिलीज़ हुई थी। अब, कॉस्ट्यूम डिज़ाइनर स्मृति चौहान ने खुलासा किया है कि एक्टर अपनी आखिरी फिल्म की शूटिंग के दौरान बहुत ज़्यादा दर्द में थे, और बताया कि प्रोजेक्ट की शूटिंग के दौरान उनकी तबीयत बिगड़ गई थी। उन्होंने याद किया कि जैसे-जैसे शूटिंग आगे बढ़ी, इरफ़ान का शरीर साफ़ तौर पर ष्कमज़ोरष् होता गया, और कुछ दिनों तक शूटिंग कैंसिल करनी पड़ी क्योंकि ज़्यादा दर्द की वजह से वह काम नहीं कर पा रहे थे।

अंग्रेजी मीडियम में इरफ़ान दर्द से जूझ रहे थे

कॉस्ट्यूम डिज़ाइनर स्मृति चौहान ने ल्वनज्नइम पर डिजिटल कमेंट्री चौनल पर अनफोल्डिंग टैलेंट्स (न्ज) के लेटेस्ट एपिसोड में अंग्रेजी मीडियम में इरफ़ान के साथ काम करने के बारे में बात की। स्मृति ने याद किया कि उन्होंने देखा कि जैसे-जैसे शूटिंग आगे बढ़ी, वह साफ़ तौर पर कमज़ोर होते जा रहे थे। स्मृति ने कहा, ष्जब हम अंग्रेजी मीडियम की शूटिंग कर रहे थे, तब उन्हें बहुत ज़्यादा दर्द हो रहा था। उन्होंने मुझसे सिर्फ़ एक बात कही, स्मृति, मुझे बहुत ठंड लगती है, तो उन्होंने मुझे लंदन के एक ब्रांड के बारे में बताया, और कहा कि प्लीज़ मेरे लिए वहाँ से वार्मर मंगवा दो और मैंने कहा ज़रूर। फिल्म की शूटिंग के दौरान भी वह कमज़ोर होते जा रहे थे। उस दौरान हमें उनके कपड़ों में बहुत ज़्यादा पैडिंग लगानी पड़ी। हालाँकि हमने उन्हें बहुत सारी लेयर्स पहनाईं, फिर भी हमें बहुत ज़्यादा पैडिंग लगानी पड़ी।ष उन्होंने बताया कि कई दिनों तक शूटिंग कैंसिल करनी पड़ी क्योंकि इरफ़ान काम नहीं कर पा रहे थे और दर्द बर्दाश्त नहीं कर पा रहे थे। स्मृति ने आगे कहा, फिल्म में, हमने उन्हें सभी गर्मियों के सीक्वेंस के लिए एक वेस्ट पहनने को दी थी, और उसमें भी पैडिंग थी। वह बीमार थे। उनका परिवार ज़्यादातर समय उनके साथ रहता था और कभी-कभी, शूटिंग के दौरान, वह ब्रेक लेते थे क्योंकि वह दर्द बर्दाश्त नहीं कर पा रहे थे.।

डायबिटीज मरीजों के लिए वरदान है सुबह ही धूप, तेजी से घटेगा शुगर लेवल !

प्राकृतिक दिन की रोशनी सिर्फ मूड ही नहीं, बल्कि डायबिटीज में ब्लड शुगर कंट्रोल करने में भी मददगार हो सकती है। रिसर्च और एक्सपर्ट्स के अनुसार, सूरज की रोशनी शरीर की बॉडी क्लॉक, हार्मोन और मेटाबॉलिज्म पर असर डालती है, जिससे शुगर लेवल बेहतर हो सकता है। चलिए जानते हैं प्राकृतिक रोशनी डायबिटीज में कैसे मदद करती है?

बॉडी क्लॉक को सही करती है

सुबह की धूप शरीर की बायोलॉजिकल क्लॉक को सेट करती है। सही बॉडी क्लॉक से इंसुलिन बेहतर काम करता है और शुगर स्पाइक्स कम होते हैं। दिन की रोशनी में रहने से शरीर की कोशिकाएं इंसुलिन को बेहतर तरीके से रिस्पॉन्ड करती हैं। इससे ब्लड शुगर को कंट्रोल करना आसान होता है।

विटामिन डी का स्तर सुधारती है

धूप से मिलने वाला विटामिन डी ब्लड शुगर रेगुलेश, इंसुलिन रिलीज में अहम भूमिका निभाता है। विटामिन डी की कमी से शुगर कंट्रोल बिगड़ सकता है। इसके साथ ही सुबह की धूप स्ट्रेस कम करती है, कॉर्टिसोल लेवल को नैचुरल रिदम में लाती है। दिन में सही मात्रा में रोशनी मिलने से रात में नींद अच्छी आती है और इससे मेलाटोनिन बैलेंस रहता है

कितनी और कब धूप लें?

–सुबह 7.10 बजे के बीच

–रोज 15.30 मिनट

–चेहरे, हाथ या पैरों पर सीधी धूप

–वॉक के साथ लें तो और फायदा

जरूरी सावधानियां

तेज दोपहर की धूप से बचें, सनस्क्रीन का सही इस्तेमाल करें। दवा और डाइट के साथ ही धूप को सपोर्ट की तरह लें। ध्यान रखें धूप कोई दवा नहीं, लेकिन सही लाइफस्टाइल का ताकतवर हिस्सा जरूर है।

बिना मेकअप के पाएं ग्लोइंग स्किन, 'स्किनिमलिज्म' से सर्दियों में निखारें त्वचा

सर्दियों का मौसम आते ही हमारे फेस की रंगत भी फीकी पड़ने लगती है। इस मौसम में त्वचा ड्राई और बेजान हो जाती है। स्किन का ग्लो वापस पाने के लिए लड़कियां मार्केट से महंगे-महंगे ब्यूटी प्रोडक्ट्स खरीदती हैं। इन प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करने के बाद भी स्किन पर कुछ खास फर्क देखने को नहीं मिलता है। वहीं लंबे-लंबे 10-12 स्टेप वाले स्किन केयर रूटीन को फॉलो करना हर किसी के बस की बात नहीं होती है। ऐसे में Skinimalism आपके बहुत काम आ सकता है। Skinimalism का सीधा मतलब कम प्रोडक्ट्स में ज्यादा फायदा पाना है। यानी की आपकी त्वचा को जो चाहिए वह उसको सच में देना। न अधिक केमिकल और न ही अधिक झंझट। बस कुछ सिंपल और असरदार केयर करके स्किन को ग्लोइंग और जवां बना सकती हैं। पदपउंसपेउ में हर बार नए प्रोडक्ट्स की जरूरत नहीं होती है। बस स्किन को साफ करना, हाइड्रेड करना और स्किन को प्रोटेक्ट करना शामिल है।

कैसे काम करता है Skinimalism

स्किन को ओवरलोड करने से फायदा नहीं बल्कि नुकसान ही होता है। बहुत सारे सीरम और एक्टिव इंग्रीडिएंट्स मिलकर त्वचा को कंफ्यूज कर देते हैं। ऐसे में Skinimalism ज्यादा तामझाम नहीं पालने देता है। इसमें आपको त्वचा क्लीन करके हाइड्रेट रखने की अधिक जरूरत होती है। साथ ही स्किन को प्रोटेक्ट करना भी उतना ही जरूरी होता है। स्किन को प्रोटेक्ट करने के लिए आप SPF का यूज कर सकती हैं। इसके लिए आपको तीन आसान स्टेप फॉलो करने होंगे।

मॉर्निंग रूटीन में फॉलो करें ये तीन स्टेप

स्किन को रखें साफ

सर्दियों के मौसम में धुआं, धूल और मेकअप त्वचा पर जमा हो जाता है। वहीं अगर दिन में हैवी मेकअप या अधिक धूल लगी हो, तो इसको साफ करने के लिए फोमिंग क्लींजर ज्यादा अच्छा रहता है। वहीं अगर स्किन ड्राई है या लाइट मेकअप है, तो आप क्रीम क्लींजर का भी यूज कर सकती हैं।

स्किन हाइड्रेट

पैरा प्रोबायोटिक्स और नियासिनामाइड त्वचा की नेचुरली तरीके से सुरक्षा करते हैं। वहीं अगर आपकी स्किन ऑयली है, तो हल्का मॉइस्चराइजर और ड्राई स्किन होने पर थोड़ा गाढ़ा मॉइस्चराइजर का इस्तेमाल कर सकती हैं।

सनस्क्रीन

सर्दियों के मौसम में भी सन डैमेज हो सकता है, खासकर तब, जब हवा में प्रदूषण ज्यादा होता है। इसलिए SPF लगाना बेहद जरूरी होता है।

कैसा होना चाहिए शाम का रूटीन

रात में स्किन खुद को रिपेयर करती है। इसलिए नाइट स्किन केयर जरूर होती है। वहीं फेस से मेकअप और धूल को हटाना जरूरी होता है। इसके लिए आप क्लींजर का इस्तेमाल करें और फिर स्किन को अच्छे से मॉइस्चराइज करना चाहिए।

सर्दियों में जरूरी है Skinimalism

सर्दियों के मौसम में हवा ड्राई होती है और हीटर से नमी कम हो जाती है। वहीं ठंडी हवा स्किन बैरियर को कमजोर कर देती है। वहीं प्रदूषण डलनेस और पिंपल्स को बढ़ा देता है। ऐसे में आप एक आसान तीन स्टेप वाली आसान स्किन रूटीन फॉलो करके अपनी स्किन का खास ख्याल रख सकती हैं।

बता दें कि Skinimalism का मकसद सिर्फ ग्लो लाना नहीं बल्कि त्वचा को मजबूत बनाना होता है। क्योंकि अगर आपकी स्किन अंदर से हेल्दी होगी तो त्वचा खुद ग्लो करेगी।

किचन चिमनी की चिकनाई पल भर में गायब, बिना जाली निकाले चमकाएं नई जैसी, जानें ये सीक्रेट हैक

अधिकतर लोग तेल और मसाले के धुएं से बचने के लिए किचन में चिमनी लगाते हैं। लेकिन अगर सप्ताह में या महीने में चिमनी की सफाई न की जाए, तो खाना पकाने के दौरान निकलने वाली चिकनाई, तेल और धुएं की वजह से चिमनी के अंदर और फिल्टर के आसपास एक चिपचिपी और मोटी काली परत जम जाती है। इस कारण चिमनी गंदी हो जाती है। जब इस चिमनी को साफ करने की बात आती है, तो अक्सर चिमनी की जाली को निकालना और फिर इसको घंटों तक डिटर्जेंट और गरम पानी में भिगोना पड़ता है, जोकि काफी ज्यादा मेहनत भरा काम होता है।

ऐसे में अगर आपके घर में भी चिमनी लगी है और वह गंदी हो गई है। तो आपको परेशान होने की जरूरत नहीं है। क्योंकि आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको असरदार और कमाल का क्लीनिंग हैक बताने जा रहे हैं। जिसकी सहायता से बिना जाली निकाले आप मिनटों में चिमनी को नए जैसा चमका सकती हैं।

जरूरी सामान

बेकिंग सोडा

सिरका

लिक्विड डिश वॉश सोप

ऐसे बनाएं घोल

सबसे पहले एक सफेद स्प्रे बोतल ले लें।

अब इसमें बराबर मात्रा में बेकिंग सोडा, सफेद सिरका और लिक्विड डिशवॉशिंग सोप डालें।

फिर करीब 1/4 कप गुनगुना पानी डालकर बोतल को बंद करके अच्छे से हिलाएं, जिससे कि सभी चीजें मिक्स हो जाएं।

ऐसे करें इस्तेमाल

बता दें कि इस घोल का इस्तेमाल करने से पहले चिमनी की सतह पर अखबार या कपड़ा बिछाएं और गैस स्टोव के बर्नर को ढक दें। वहीं यह तरीका चिमकी के ठंडा होने पर अपनाएं।

चिमनी के अंदरूनी हिस्से और जाली के बाहर की ओर जहां-जहां पर चिकनाई दिख रही है, वहां पर इस घोल को स्प्रे करें।

इस घोल को करीब 15-20 मिनट तक के लिए ऐसे ही छोड़ दें।

वहीं समय पूरा होने के बाद इसको साफ कपड़े से धीरे-धीरे पोछें।

जब सारी गंदगी साफ हो जाए, तो माइक्रोफाइबर कपड़े से चिमनी को पोछें।

सरसों साग अब बोरिंग नहीं! जानें बच्चों को दीवाना बनाने वाली इस खास और पौष्टिक रेसिपी का राज

सर्दियों के मौसम में सबसे ज्यादा बाजारों में हरी-सब्जियां काफी होती है। ऐसे में आप भी अपने घर में हरी सब्जियां जरुर लेकर आते होंगे। बच्चे इसको खाने में नखरे ज्यादा करते हैं। वैसे तो सरसों का साग स्वाद में लाजवाब होने के साथ-साथ सेहत का खजाना भी है। क्योंकि इसमें फाइबर, विटामिन और एंटीऑक्सीडेंट्स भरपूर मात्रा में पाई जाती है। सर्दियों में शरीर को ताकत देता है। साग में थोड़ा कड़वापन होता है जिसकी वजह से बच्चे इसे खाने में आनाकानी करते हैं। अगर आप इसे थोड़ा ट्विस्ट देकर बनाएंगे, तो यह बच्चों को भी खाने में अच्छा लगता है। आइए आपको बताते हैं कैसे अलग स्टाइल में सरसों साग की रेसिपी है।

सरसों का साग बनाने की यूनिक रेसिपी

– इसके लिए 500 ग्राम सरसों के पत्तों को अच्छी तरह धोकर बारीक काट लें।

– अब टेस्ट को बैलेंस करने के लिए आप 250 ग्राम पालक और 100 ग्राम बथुआ जरुर मिलाएं।

– इसे काटने के बाद साग को कुकर में साग डालकर 4-5 लहसुन, 1 इंच अदरक, 2 हरी मिर्च और थोड़ा नमक डालकर 3-4 सीटी आने तक उबालें।

– साग ठंडा होने के बाद इसे मथानी से अच्छी तरह से घोंटकर दर-दरा करें।

– इसमें 2 बड़े चम्मच मक्की का आटा थोड़ी पानी मिलाकर डालें।

– अब आटे के साथ साग को धीमी आंच पर 10 मिनट तक पकने दें।

– इसके बाद कड़ाही में 2 बड़े चम्मच देसी घी या मक्खन गरम कर हींग और जीरा डालें।

– अब बारीक कटा हुआ प्याज और अदरक-लहसुन का पेस्ट डालकर सुनहरा होने तक भूनें।

– फिर 2 टमाटर की प्यूरी और हल्दी, धनिया पाउडर व लाल मिर्च डालकर तब तक भूनें जब तक घी अलग न हो जाए।

– इसके बाद तैयार हुआ तड़के में पका हुआ साग मिलाकर इसमें पनीर के छोटे-छोटे टुकड़े या उबले हुए स्वीट कॉर्न डाल दें।

– आखिर में 2 चम्मच ताजी मलाई या क्रीम डालकर सर्व करें।

– अब साग को सर्विंग बाउल में निकालकर मक्के की गरम रोटी या पराठे के साथ सर्व करें।

लगातार पैरों में दर्द और झुनझुनी होने का कारण शरीर में कम है ये विटामिन

हमारे शरीर के लिए विटामिन्स बेहद जरूरी होते हैं। ये विटामिन्स हमारे शरीर के कई जरूरी कामों में मदद करते हैं। अगर किसी खास विटामिन की कमी हो जाए तो शरीर में कई तरह की समस्याएं शुरू हो सकती हैं। खासकर पैरों में दर्द और चलने-फिरने में परेशानी होना कई बार विटामिन की कमी का संकेत हो सकता है। आज हम बात करेंगे उस एक विटामिन के बारे में जिसकी कमी से पैरों में दर्द और कमजोरी महसूस होती है।

विटामिन बी12 की कमी से होती है परेशानी

पैरों में दर्द और कमजोरी का एक बड़ा कारण विटामिन

बी12 की कमी हो सकती है। विटामिन बी12 हमारे शरीर के लिए नर्व सिस्टम और रक्त निर्माण के लिए बहुत जरूरी होता है। जब शरीर में विटामिन बी12 की कमी हो जाती है तो नसें कमजोर होने लगती हैं और नर्व फंक्शन प्रभावित होता है। इसके कारण पैरों में झुनझुनी, दर्द और चलने में दिक्कत हो सकती है।

पैरों में दर्द और झुनझुनी की समस्या

जब विटामिन बी12 की कमी होती है तो पैरों में झुनझुनी या सनसनाहट महसूस हो सकती है। यह एक तरह का नर्व डैमेज होता है, जिसे न्यूरोपैथी कहा जाता है। शुरुआत में दर्द हल्का होता है, लेकिन समय के साथ यह बढ़ सकता है और पैरों में भारीपन या कमजोरी भी महसूस हो सकती है। इस वजह से चलने-फिरने में परेशानी होती है।

कमजोरी और थकान का एहसास

विटामिन बी12 की कमी से शरीर में थकान और कमजोरी भी आ सकती है। खासकर पैरों में मांसपेशियों की ताकत कम हो जाती है, जिससे चलने-फिरने की क्षमता प्रभावित होती है। जो लोग अक्सर थकान महसूस करते हैं या पैरों में कमजोरी का सामना कर रहे हैं, उन्हें अपनी विटामिन बी12 की लेवल जरूर चेक करानी चाहिए।

विटामिन बी12 की कमी के और लक्षण

सिर्फ पैरों में दर्द ही नहीं, विटामिन बी12 की कमी से कई और लक्षण भी नजर आते हैं जैसे कि कमजोरी, याददाश्त कमजोर होना, मूड में बदलाव, और जीभ का लाल होना। यदि ये लक्षण दिखें तो जल्द से जल्द डॉक्टर से सलाह लेना जरूरी है।

विटामिन बी12 की कमी कैसे पूरी करें?

विटामिन बी12 की कमी को पूरा करने के लिए सबसे पहले सही डायग्नोसिस जरूरी है। इसके बाद डॉक्टर विटामिन बी12 के सप्लीमेंट्स देने की सलाह देते हैं। इसके अलावा मांसाहारी लोगों के लिए अंडे, दूध, मांस और मछली विटामिन बी12 के अच्छे स्रोत हैं। शाकाहारी लोग फोर्टिफाइड फूड्स या सप्लीमेंट के जरिए विटामिन बी12 ले सकते हैं।

बचाव के उपाय

अपनी डाइट में विटामिन बी12 युक्त चीजें शामिल करें। समय-समय पर अपनी हेल्थ चेकअप करवाते रहें। थकान या पैरों में दर्द की समस्या हो तो उसे नजरअंदाज न करें।

नोटः डॉक्टर से सलाह लेकर सप्लीमेंट लेना शुरू करें।

संक्षिप्त

नए साल की गहमागहमी के बीच पहले गीग वर्कर्स हड़ताल पर, जानिए क्या है उनकी मांग

नई दिल्ली। इंडियन फेडरेशन ऑफ ऐप–बेस्ड ट्रांसपोर्ट वर्कर्स (आईएफएटी) ने बेहतर वेतन और गिग और प्लेटफॉर्म वर्कर्स के लिए राष्ट्रीय नीति की मांग को लेकर हड़ताल की घोषणा की। मुंबई, दिल्ली, हैदराबाद और बंगलूरू में लगभग 40,000 श्रमिकों ने विरोध प्रदर्शन में भाग लिया। भारत में लगभग एक करोड़ प्लेटफॉर्म श्रमिक हैं। 31 दिसंबर को एक बड़ी हड़ताल की योजना बनाई गई है, जिससे ई–कॉमर्स डिलीवरी बाजार में व्यवधान उत्पन्न होने की आशंका है।

आईएफएटी की सरकास से मांग

इंडियन फेडरेशन ऑफ एप–बेस्ड ट्रांसपोर्ट वर्कर्स (ए।ज) के राष्ट्रीय महासचिव शेख सलाउद्दीन ने बताया कि हम चाहते हैं कि सरकार गिग और प्लेटफॉर्म वर्कर्स के लिए एक निश्चित न्यूनतम वेतन नीति लाए। हम 4 किलोमीटर तक की दूरी के लिए प्रति डिलीवरी 35 रुपये के न्यूनतम वेतन की मांग कर रहे हैं। फिलहाल, डिलीवरी करने वाले को गंतव्य के आधार पर 7 रुपये, 10 रुपये या 15 रुपये मिलते हैं। इसे पूरी तरह से नियमित किया जाना चाहिए। हालांकि कर्मचारियों को छुट्टियों के दौरान उनकी सेवाओं के लिए अतिरिक्त भुगतान मिलता है, लेकिन वे वेतन में स्थायी वृद्धि की मांग करते हैं। सलाउद्दीन ने आगे कहा कि हमने 31 दिसंबर की तारीख इसलिए चुनी है क्योंकि उस समय डिलीवरी की मांग बहुत अधिक होगी और हम चाहते हैं कि नियोक्ता इस विरोध प्रदर्शन पर ध्यान दें। अचानक हुई हड़ताल के बारे में विस्तार से बताते हुए उन्होंने कहा कि हमने इसकी घोषणा बुधवार ही की थी। पूरे देश में संदेश फैलने में कुछ समय लगता है। कई लोगों ने अपने नियोक्ताओं द्वारा ब्लैकलिस्ट किए जाने के डर से इसमें भाग नहीं लिया।

शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 183 अंक गिरा, विदेशी निवेशकों की बिकवाली जारी

विदेशी निवेशकों की बिकवाली जारी रहने के बीच शुक्रवार को शुरुआती कारोबार में प्रमुख शेयर सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी में गिरावट हुई। कम कारोबार और किसी बड़े घरेलू संकेत के अभाव में निवेशकों की धारणा कमजोर बनी रही। इस दौरान 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 183.42 अंक गिरकर 85,225.28 पर आ गया। दूसरी ओर 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 46.45 अंक टूटकर 26,095.65 पर था। सेंसेक्स की कंपनियों में बजाज फाइनेंस, सन फार्मा, इटरनल, टाटा स्टील, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज और भारती एयरटेल में उल्लेखनीय गिरावट हुई। दूसरी ओर भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, टाइटन, इन्फोसिस और अल्ट्राटेक सीमेंट बढ़त दर्ज करने वाले शेयरों में शामिल थे। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक बुधवार को विदेशी संस्थागत निवेशकों ने 1,721.26 करोड़ रुपये के शेयर बेचे, जबकि घरेलू संस्थागत निवेशकों ने 2,381.34 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे। इस बीच, वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.11 प्रतिशत बढ़कर 62.31 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया।

सोने ने 1.39 लाख रुपये पर पहुंच रचा इतिहास, चांदी की चमक ने तोड़े सारे रिकॉर्ड

नई दिल्ली। अगर साल 2025 को सर्राफा बाजार में तेजी के लिहाज से शानदार कहा जाए तो यह अतिशयोक्ति नहीं होगी। साल की शुरुआत में जो निवेशक वैश्विक अनिश्चितताओं से घबराए हुए थे, साल के अंत में वही सबसे ज्यादा मुनाफे में हैं। 24 दिसंबर 2025 को बाजार बंद होने तक, सोने ने1.38 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम के मनोवैज्ञानिक स्तर को पार कर लिया, जबकि चांदी ने औद्योगिक मांग के दम पर 2.23 लाख रुपये प्रति किलो का नया कीर्तिमान रच दिया। वर्ष 2025 को वैश्विक वित्तीय इतिहास में एक ऐसे निर्णायक वर्ष के रूप में याद किया जाएगा, जब श्हार्ड एसेट्सश (Hard Assets) ने कागजी मुद्रा के वर्चस्व को सीधी चुनौती दी। यह केवल कीमतों में बढ़ोतरी का साल नहीं था। यह उस भरोसे के टूटने का साल था जो दशकों से पारंपरिक वित्तीय प्रणाली पर कायम

था। निवेशक, केंद्रीय बैंक और आम उपभोक्ता सभी एक ही दिशा में भागते नजर आए। सुरक्षा की ओर। और वित्तीय दुनिया में सुरक्षा का दूसरा नाम सोना है। क्रिसमस सप्ताह 2025 के दौरान जब दुनिया छुट्टियों के जश्न में डूबी थी, वैश्विक सर्राफा बाजार में एक अलग स्तर की तेजी दिखी। 22 दिसंबर 2025 को सोने ने वैश्विक बाजार में 4,400 डॉलर प्रति औंस के मनोवैज्ञानिक स्तर को ध्वस्त कर दिया, जबकि चांदी ने 70 डॉलर प्रति औंस के दरवाजे पर दस्तक दी। यह उछाल सामान्य नहीं था; यह 1979 के बाद का सबसे बड़ा वार्षिक लाभ था, जिसने इक्विटी, बॉन्ड्स और यहां तक कि क्रिप्टोकरेंसी के रिटर्न को भी बौना साबित कर दिया। क्या यह केवल एक तेजी थी या एक बड़ा बदलाव? आइए, अखिल भारतीय सर्राफा बाजार (आईबीजेए) और कॉमेक्स (कॉमेक्स) के सटीक आंकड़ों के जरिए समझते हैं। 2025 में सोने और चांदी की कीमतों में बढ़त की पूरी कहानी।

सर्राफा बाजार में कैसा रहा 2024 से 2025 का सफर

निवेशकों के लिए पिछले दो साल किसी लॉटरी से कम नहीं रहे। अगर हम 1 जनवरी 2024 के भावों की तुलना 24 दिसंबर 2025 के भावों से करें, तो तस्वीर एकदम साफ हो जाती है।

मेलबर्न में पहले दिन का खेल खत्म, 20 विकेट गिरे और बने 262 रन; ऑस्ट्रेलिया को 46 रन की बढ़त

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच पांच मैचों की टेस्ट सीरीज का चौथा मुकाबला मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड में जारी है। पहले दिन इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला लिया। उनके फैसले को इंग्लिश गेंदबाजों ने सही साबित किया और ऑस्ट्रेलियाई पारी को 152 रन पर समेट दिया। जवाब में इंग्लैंड की पहली पारी 110 रन पर सिमट गई। ऑस्ट्रेलिया ने अपनी दूसरी पारी में बिना विकेट गंवाए चार रन बना लिए हैं। स्कॉट बोलैंड और ट्रेविस हेड बैटिंग के लिए उतरे। बोलैंड ने पहली बार ओपनर की भूमिका निभाई है। कंगारुओं की कुल बढ़त 46 रन की हो चुकी है।

इंग्लैंड की पहली पारी

कंगारुओं के 152 रन के जवाब में इंग्लैंड की पहली पारी की शुरुआत भी खराब रही। 16 रन पर टीम ने चार विकेट गंवा दिए थे। जैक क्राउली पांच रन, बेन डकेट दो रन और जैकब बेथेल एक रन बनाकर आउट हुए। जो रूट खाता भी नहीं खोल सके। स्टार्क ने क्राउली–डकेट और नेसेर ने बेथेल–रूट के विकेट झटके। इसके बाद ब्रूक और स्टोक्स के बीच पांचवें विकेट के लिए अब तक 50 रन की साझेदारी हुई। ब्रूक आक्रामक बल्लेबाजी करने के चक्कर में विकेट गंवा बैठे। वह 34 गेंद में दो चौके और दो छक्के की मदद से 41 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद जेमी स्मिथ दो रन और विल जैक्स पांच रन बनाकर पवेलियन लौट गए। कप्तान स्टोक्स भी ज्यादा देर तक मैदान पर नहीं रह सके और 16 रन बनाकर आउट हो गए। गस एटकिंसन ने जरूर 28 रन की पारी खेली। ब्राइडन कार्स चार और जोश टंग एक रन बना सके। ऑस्ट्रेलिया की ओर से माइकल नेसेर ने सबसे ज्यादा चार विकेट झटके, जबकि स्कॉट बोलैंड ने तीन विकेट लिए। मिचेल स्टार्क को दो विकेट मिले। कैमरन ग्रीन ने एक विकेट लिया। इंग्लैंड के आठ बल्लेबाज दहाई का आंकड़े नहीं छू सके।

ऑस्ट्रेलिया की पहली पारी

टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए ऑस्ट्रेलिया की बल्लेबाजी खराब रही। नियमित कप्तान पैट कमिंस की गैरमौजूदगी में स्टीव स्मिथ टीम की कमान संभाल रहे हैं।

एशेज, चौथा टेस्ट

मेलबर्न में पहले दिन गिरे 20 विकेट

ऑस्ट्रेलियाई टीम 45.2 ओवर में 152 रन पर सिमट गई। माइकल नेसेर ने सबसे ज्यादा 35 रन बनाए। वहीं, ट्रेविस हेड 12 रन, जेक वेदराल्ड 10 रन और मार्नस लाबुशेन छह रन बनाकर आउट हुए। कप्तान स्मिथ नौ रन ही बना सके। उस्मान ख्वाजा और एलेक्स कैरी ने पारी संभालना की कोशिश की, लेकिन ख्वाजा 29 रन और कैरी 20 रन बनाकर पवेलियन लौट गए। इसके बाद कैमरन ग्रीन और नेसेर के बीच सातवें विकेट के लिए सबसे ज्यादा 52 रन की साझेदारी हुई। ग्रीन 17 रन बनाकर आउट हुए। नेसेर ने 49 गेंद पर 35 रन की अपनी पारी में सात चौके लगाए। स्टार्क एक रन और बोलैंड खाता खोले बिना पवेलियन लौटे। इस मैच में ऑस्ट्रेलिया बिना किसी विशेषज्ञ स्पिनर के मैदान पर उतरा है। इंग्लैंड की ओर से जोश टंग ने पांच विकेट झटके। वहीं, गस एटकिंसन को दो विकेट मिले। ब्राइडन कार्स और कप्तान स्टोक्स ने एक–एक विकेट लिया।

123 साल बाद दोहराया गया एशेज इतिहास

ऑस्ट्रेलिया की धरती पर एशेज में 1901/02 के बाद पहली बार ऐसा हुआ है कि किसी टेस्ट के पहले दिन 20 या इससे ज्यादा विकेट गिरे हों। इससे पहले 1901/02 एशेज सीरीज के मेलबर्न टेस्ट में पहले दिन 25 विकेट गिरे थे। वहीं, 1882, 1890 और 1909 में भी ऐसा हुआ था कि एशेज सीरीज के किसी टेस्ट में पहले दिन 20 या इससे ज्यादा विकेट गिरे हों, लेकिन यह सभी सीरीज इंग्लैंड की सरजमीं पर खेली गई थीं। 1882 में द ओवल में खेले गए टेस्ट के पहले दिन 22 और 1890 में द ओवल में ही खेले गए टेस्ट के पहले दिन 20 विकेट गिरे थे। इसके बाद 1909 में ओल्ड ट्रैफर्ड में खेले गए टेस्ट के पहले दिन 20 विकेट गिरे थे।

ब्रूक ने रिचर्ड्स–सहवाग के क्लब में बनाई जगह

इस टेस्ट के बीच इंग्लैंड के युवा बल्लेबाज हैरी ब्रूक ने भी इतिहास रच दिया। वह उन चुनिंदा बल्लेबाजों में शामिल हो गए हैं, जिनके टेस्ट करियर में 3000+ रन, 45+ औसत और 70+ स्ट्राइक रेट है।

धमाकेदार फॉर्म में विराट कोहली, कोच बोले– 2027 वनडे विश्व कप के लिए पूरी तरह तैयार

विराट कोहली अपने वनडे करियर और 2027 विश्व कप के लिए भारतीय टीम में जगह बनाने की संभावनाओं को लेकर चल रही अटकलों के बीच अपने बल्ले से जवाब दे रहे हैं। ऑस्ट्रेलिया दौरे के दौरान लगातार दो मैचों में शून्य पर आउट होने के बाद प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में वापसी करने वाले कोहली तब से शानदार फॉर्म में हैं। उन्होंने अपने पिछले चार अंतरराष्ट्रीय मैचों में दो शतक और दो अर्धशतक बनाए हैं। उन्होंने घरेलू क्रिकेट में भी अपना बेहतरीन प्रदर्शन जारी रखा है, जहां दिल्ली का प्रतिनिधित्व करते हुए उन्होंने विजय हजारे ट्रॉफी के पहले मैच में आंध्र प्रदेश के खिलाफ 131 रन बनाए और आज गुजरात के खिलाफ आक्रामक 77 रन की पारी खेली। दिग्गज बल्लेबाज कोहली ने टेस्ट और टी20 से संन्यास ले लिया है और अब वह भारत के लिए सिर्फ वनडे ही खेलते हैं। उनके बचपन के कोच राजकुमार शर्मा का मानना है कि पूर्व भारतीय कप्तान अफ्रीका में होने वाले अगले वनडे विश्व कप के लिए पूरी तरह तैयार हैं। शर्मा ने समाचार एजेंसी एएनआई को बताया, "वह (कोहली) शानदार फॉर्म में हैं और उन्होंने अपना फॉर्म बरकरार रखा है। उन्होंने बहुत अच्छी बल्लेबाजी की और दिल्ली की जीत सुनिश्चित की। उन्होंने लंबे

समय बाद घरेलू क्रिकेट खेला और एक शानदार पारी खेली। उन्होंने अपने पिछले दो मैचों में शतक बनाए हैं और वह भारतीय टीम के सबसे लगातार अच्छा प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ी हैं। मेरे हिसाब से वह विश्व कप के लिए पूरी तरह तैयार हैं।"

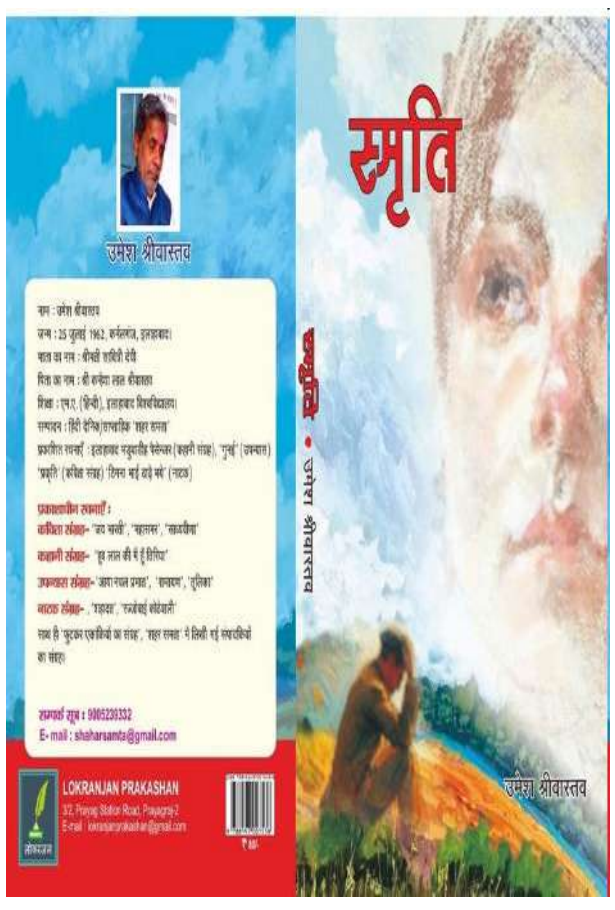

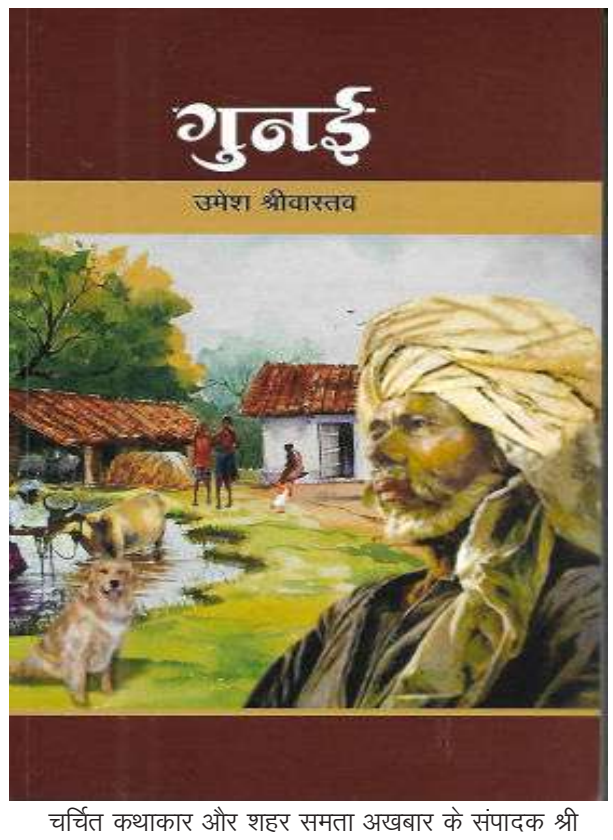

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

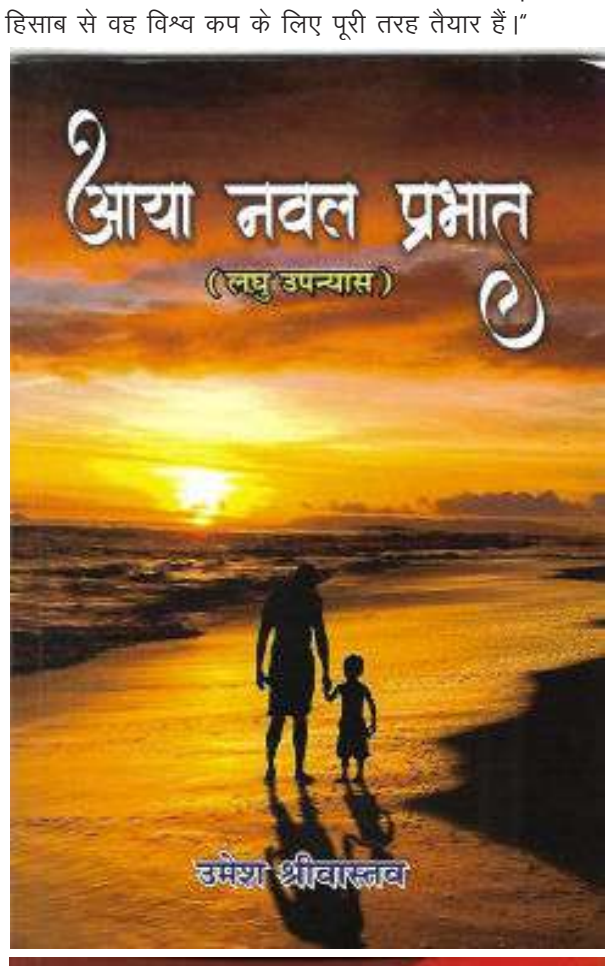

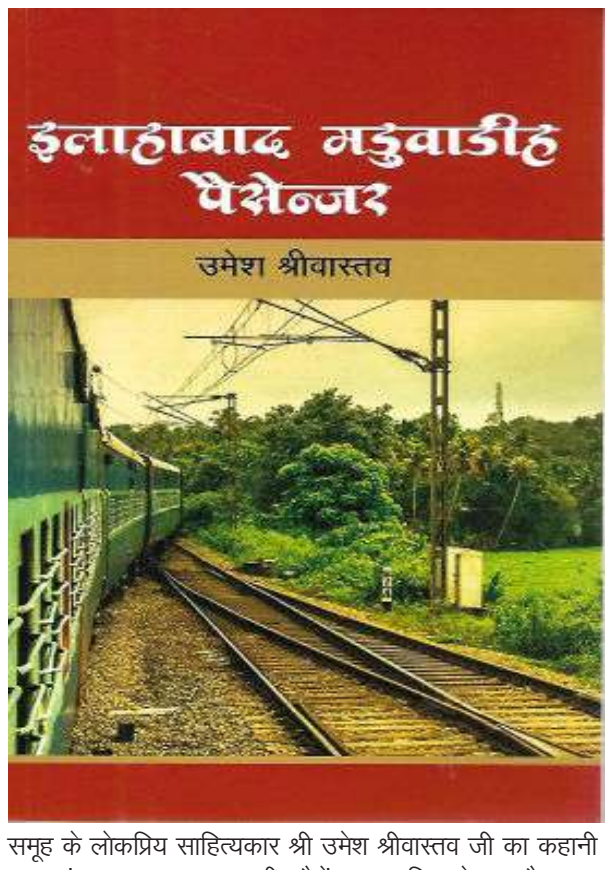

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

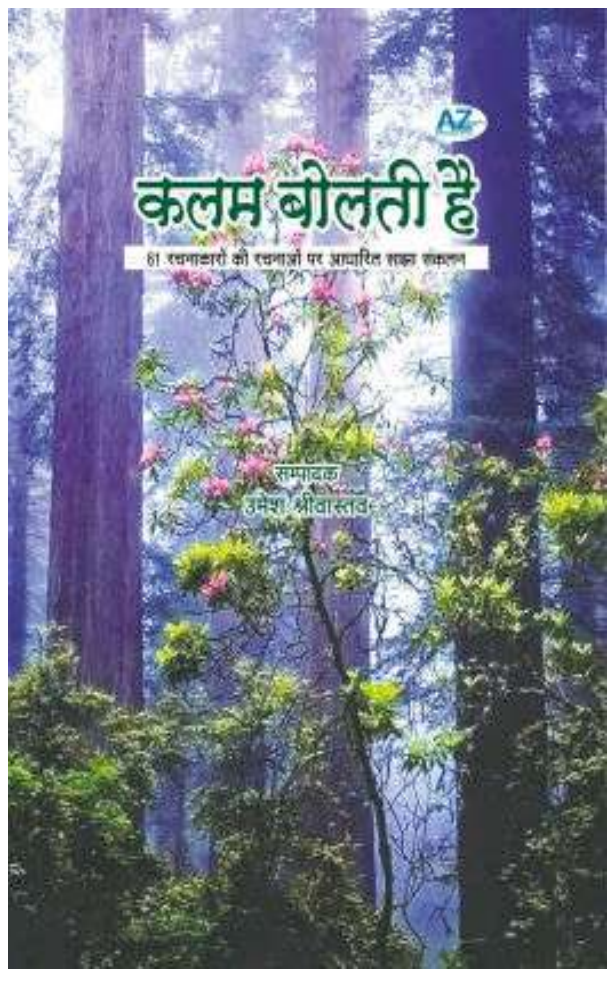

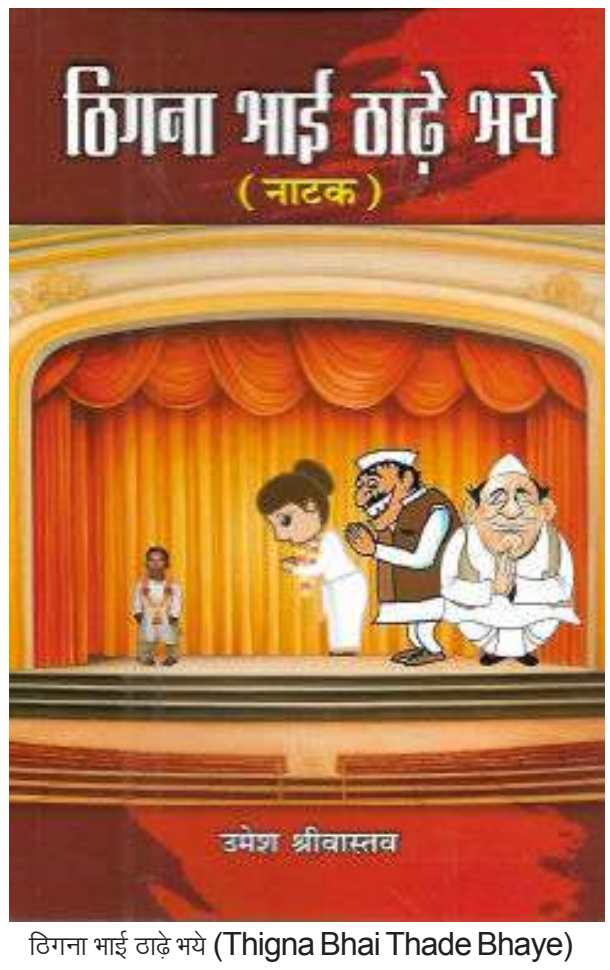

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

लीबियाई मिलिट्री चीफ को ले जा रहा प्लेन तुर्की के हेमाना में क्रैश, सभी यात्रियों की मौत, ब्लैक बॉक्स की जांच शुरू

तुर्किये के रक्षा मंत्रालय ने बृहस्पतिवार को कहा कि विमान हादसे के बाद बरामद ब्लैक बॉक्स की जांच शुरू कर दी गई है और यह जांच लीबिया के अधिकारियों के साथ समन्वय में की जा रही है। लीबिया के जनरल मुहम्मद अली अहमद अल–हद्दाद, चार अन्य सैन्य अधिकारियों और चालक दल के तीन सदस्यों को ले जा रहा एक निजी विमान मंगलवार को तुर्किये की राजधानी अंकारा से उड़ान भरने के बाद दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिससे विमान में सवार सभी लोगों की मौत हो गई थी। लीबियाई अधिकारियों ने बताया कि यह दुर्घटना विमान में आई तकनीकी खराबी के कारण हुई। अल–हद्दाद पश्चिमी लीबिया के शीर्ष सैन्य कमांडर थे और संयुक्त राष्ट्र की मध्यस्थता में जारी लीबिया की सेना के एकीकरण के प्रयासों में उनकी अहम भूमिका थी। लीबिया की अन्य संस्थाओं की तरह वहां की सेना भी विभाजित है।

तुर्किये विमान हादसा

तुर्की में अंकारा के पास एक प्राइवेट जेट क्रैश में लीबिया के जनरल स्टाफ के प्रमुख मोहम्मद अल–हद्दाद की मौत हो गई। यह हादसा टेक–ऑफ के तुरंत बाद हुआ। फाल्कन 50 विमान त्रिपोली लौट रहा था, तभी उसमें बिजली की खराबी आ गई और उसने इमरजेंसी लैंडिंग की रिक्वेस्ट की। कुछ मिनट बाद ही उससे संपर्क टूट गया। तुर्की के अधिकारियों को राजधानी के दक्षिण में विमान का मलबा मिला और उन्होंने पुष्टि की कि विमान में सवार सभी आठ लोगों की मौत हो गई है। जांचकर्ताओं ने दोनों फ्लाइट रिकॉर्डर बरामद कर लिए हैं और औपचारिक जांच शुरू कर दी है, शुरुआती संकेत तकनीकी खराबी की ओर इशारा कर रहे हैं। लीबिया का एक प्रतिनिधिमंडल अंकारा पहुंच गया है, क्योंकि लीबिया ने तीन दिन के राष्ट्रीय शोक की घोषणा की है।

प्लेन क्रैश कैसे हुआ?

तुर्की के अधिकारियों ने बताया कि टेक–ऑफ के तुरंत बाद विमान में बिजली की समस्या आ गई थी और उसने इमरजेंसी लैंडिंग का अनुरोध किया था। यह जेट स्थानीय समय के अनुसार रात 8 बजे के कुछ देर बाद अंकारा के एसेनबोगा एयरपोर्ट से रवाना हुआ और कुछ मिनट बाद एयर ट्रैफिक कंट्रोल से संपर्क किया। इसके बाद उसे एयरपोर्ट की ओर वापस मुड़ने की अनुमति दी गई।

तुर्की सरकार ने कहा कि नीचे उतरते समय विमान रडार से गायब हो गया और अधिकारी उससे संपर्क बहाल नहीं कर पाए। तुर्की के गृह मंत्री अली येरलिकाया ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि विमान रात 8.30 बजे रवाना हुआ था और लगभग 40 मिनट बाद उससे संपर्क टूट गया। उन्होंने आगे कहा कि सभी संचार बंद होने से पहले विमान ने हेमाना के पास इमरजेंसी लैंडिंग का संकेत दिया था।

संक्षिप्त

बांग्लादेश में हिंदुओं की हत्या के विरोध में पुरी जगन्नाथ मंदिर के बाहर प्रदर्शन

बांग्लादेश में एक और हिंदू व्यक्ति की पीट–पीटकर हत्या कर दी गई है। यह घटना दीपू चंद्र दास की पीट–पीटकर हत्या करने और उसके शव को जलाने के कुछ दिनों बाद घटी है। स्थानीय मीडिया ने गुरुवार को यह जानकारी दी। खबरों के अनुसार, 29 वर्षीय अमृत मंडल उर्फ सम्राट की हत्या राजबारी के पांगशा उप–जिले में बुधवार रात करीब 11 बजे

हुई। राजबारी राजधानी ढाका से लगभग साढ़े तीन घंटे की दूरी पर स्थित है। बांग्लादेश की मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार ने दावा किया है कि इस घटना का सांप्रदायिक हिंसा से कोई संबंध नहीं है। सरकार ने एक बयान में कहा कि उसने सोशल मीडिया और कुछ समाचार माध्यमों द्वारा इस दुखद हत्या के संबंध में फैलाई जा रही भ्रामक जानकारी का संज्ञान लिया है। बयान में कहा गया है, पुलिस की सूचना और प्रारंभिक जांच के अनुसार, यह स्पष्ट है कि घटना का सांप्रदायिक हिंसा से कोई संबंध नहीं है। बल्कि, यह जबरन वसूली और आपराधिक गतिविधियों से उत्पन्न हिंसक स्थिति का परिणाम है। मृतक अमृत मंडल उर्फ सम्राट एक कुख्यात अपराधी था जो जबरन वसूली की रकम वसूलने के इरादे से इलाके में आया था। एक समय, उत्तेजित स्थानीय निवासियों के साथ झड़प के दौरान उसकी जान चली गई।

सिंगापुर फर्जी नौकरी घोटाला: ओडिशा का एक व्यक्ति 500 लोगों को ठगने के आरोप में गिरफ्तार

सिंगापुर में नौकरी दिलाने के बहाने लगभग 500 लोगों को ठगने के आरोप में ओडिशा के गंजम जिले से 45 वर्षीय एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। पुलिस के मुताबिक, आरोपी की पहचान हिलपटना निवासी सुब्रत कुमार पालो के रूप में हुई है, जिसे ब्रह्मपुर सदर पुलिस थाने में उसके खिलाफ दर्ज प्राथमिकी के आधार पर बुधवार को गिरफ्तार किया गया था। पुलिस ने बताया कि सुब्रत के पास से दो मोबाइल फोन, हवाई टिकट की फोटोकॉपी, सिंगापुर के लिए कंप्यूटर द्वारा तैयार किए गए वर्क परमिट, चेन्नई के एक डायग्नोस्टिक सेंटर द्वारा जारी स्वास्थ्य जांच प्रमाणपत्रों की फोटोकॉपी और एक शिपिंग कंपनी के कंप्यूटर द्वारा तैयार किए गए फर्जी नियुक्ति पत्र जब्त किए गए। पुलिस के अनुसार, आरोपी ने कथित तौर पर लगभग 500 लोगों को धोखा दिया और प्रत्येक व्यक्ति से 30,000 रुपये वसूले।

लाखों लोगों के सामने हिंदुओं को लेकर तारिक रहमान ने किया ऐसा ऐलान, कट्टरपंथी हैरान!

भारत और बांग्लादेश मुल्क भले ही दो हो। लेकिन कट्टरपंथी चाहे वो भारत के हो या फिर बांग्लादेश के दोनों ही सोच एक जैसी ही है। मजहब के हिसाब से दर्द का रिश्ता बनाना कट्टरपंथियों की पुरानी फितरत है। लेकिन जो बांग्लादेश हिंदुओं के नरसंहार की नई प्रयोगशाला बना है। वहां की राजनीति में 17 साल बाद पुराने एक चेहरे की वापसी हुई। बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष तारिक रहमान बांग्लादेश लौट आए हैं। बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के कार्यकारी अध्यक्ष और पूर्व पीएम खालिदा जिया के बेटे तारिक रहमान 17 साल बाद स्वदेश लौटे। ढाका में तारिक के स्वागत में एक लाख से ज्यादा पार्टी कार्यकर्ता उमड़े। बांग्लादेश में अगले साल 12 फरवरी को होने वाले आम चुनावों में 60 वर्षीय तारिक रहमान पीएम पद के प्रमुख दावेदार होंगे। लाखों समर्थकों के बीच पहली रैली में तारिक ने यही कहा कि बंग्लादेश मुसलमानों, हिंदुओं, बौद्धों और ईसाइयों– सबका देश है। हमारी पार्टी सुरक्षित बांग्लादेश बनाना चाहती है। ऐसा बांग्लादेश जहां महिलाएं, पुरुष और बच्चे सुरक्षित रूप से अपने घर से निकल सकें और वापस लौट सकें। हम देश में शांति कायम करेंगे। नया बांग्लादेश बनाएंगे। बांग्लादेश की अतरिम सरकार ने शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग के चुनाव लड़ने पर प्रतिबंध लगा दिया है। ऐसे में तारिक रहमान पीएम पद के प्रमुख दावेदार है। उनकी वापसी ऐसे समय में हुई है जब दो प्रमुख युवा नेताओं की हत्या के बाद से देश में अशांति और राजनीतिक अस्थिरता की नई लहर जारी है, जिसने पूरे बाग्लादेश को चपेट में ले लिया है।

बांग्लादेश में जबरन वसूली के आरोप में हिंदू व्यक्ति की पीट–पीटकर हत्या

बांग्लादेश में जबरन वसूली के आरोप को लेकर एक हिंदू व्यक्ति की पीट–पीटकर हत्या कर दी गई। मीडिया की खबरों से बृहस्पतिवार को यह जानकारी मिली। देश में पिछले हफ्ते भी अल्पसंख्यक समुदाय के एक अन्य व्यक्ति की भीड़ ने पीट–पीटकर हत्या कर दी थी। 'द डेली स्टार' अखबार ने पुलिस के हवाले से बताया कि ताजा घटना बुधवार को राजबाड़ी शहर के पांगशा उपजिला में हुई। अखबार के मुताबिक, मृतक की पहचान अमृत मंडल के रूप में हुई, जिसने कथित तौर पर एक आपराधिक गिरोह बनाया था और जबरन वसूली व अन्य आपराधिक गतिविधियों में शामिल था। अखबार के अनुसार, घटना के दिन स्थानीय लोगों ने उस समय मंडल की पिटाई शुरू कर दी, जब उसने अपने समूह के सदस्यों के साथ एक निवासी के घर से वसूली की कोशिश की। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और मंडल को बचाया।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर 9190052 39332
.919450482227

ईसाइयों पर हमला और बर्दाश्त नहीं : ट्रंप

अमेरिका ने उत्तर पश्चिमी नाइजीरिया में एयर स्ट्राइक कर दी। उत्तर पश्चिमी नाइजीरिया में यूएस फोर्स की तरफ से स्ट्राइक की गई है। ये स्ट्राइक आईएसआईएस के ठिकानों पर की गई है। अमेरिका ने बकायदा इसका वीडियो जारी किया है। ट्रंप ने कहा कि इस्लामिक आतंकवाद पनपने नहीं देंगे। ये सटीक हमले ट्रंप के शासनकाल में नाइजीरिया में अमेरिकी सेना द्वारा किया गया पहला हमला है और यह उस घटना के बाद हुआ है जब रिपब्लिकन ने अक्टूबर और नवंबर में अप्रत्याशित रूप से पश्चिम अफ्रीकी राष्ट्र की निंदा करते हुए कहा था कि नाइजीरिया के असंख्य सशस्त्र संघर्षों के बीच वहां के ईसाईयों को अस्तित्वगत खतरा का सामना करना पड़ रहा है जो नरसंहार के बराबर है। ट्रंप ने पोस्ट में लिखा कि आज रात, कमांडर–इन–चीफ के रूप में मेरे निर्देश पर अमेरिका ने उत्तर–पश्चिमी नाइजीरिया में आईएसआईएस आतंकियों के खिलाफ एक शक्तिशाली और घातक हमला किया। ये आतंकी कई वर्षों से, खास तौर पर निर्दोष ईसाइयों को निशाना बनाकर बेरहमी से हत्या कर रहे हैं। ट्रम्प ने आगे कहा कि उनके नेतृत्व में अमेरिका कट्टरपंथी इस्लामी आतंकवाद को पनपने नहीं देगा। उन्होंने पोस्ट का समापन करते हुए कहा, ईश्वर हमारी सेना को आशीर्वाद दे, और सभी को क्रिसमस की शुभकामनाएं, जिनमें मारे गए आतंकवादी भी शामिल हैं, जिनकी संख्या और भी अधिक होगी यदि वे ईसाइयों का नरसंहार जारी रखते हैं। नाम न उजागर करने की शर्त पर रक्षा विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि अमेरिका ने नाइजीरिया के साथ मिलकर इस हमले को अंजाम दिया और इस कार्रवाई पर नाइजीरिया सरकार की सहमति हासिल थी। नाइजीरिया के विदेश मंत्रालय ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय कानून, संप्रभुता के लिए पारस्परिक सम्मान और क्षेत्रीय व वैश्विक सुरक्षा के साझा संकल्पों के अनुरूप इस सहयोग के तहत खुफिया जानकारी का आदान–प्रदान और रणनीतिक समन्वय किया गया। मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि किसी भी तरह की आतंकवादी हिंसा नाइजीरिया के मूल्यों और अंतरराष्ट्रीय शांति व सुरक्षा के लिए एक गंभीर चुनौती है। चाहे वह ईसाइयों, मुसलमानों या किसी अन्य समुदाय के खिलाफ हो। ट्रंप ने पिछले महीने पेंटागन (अमेरिका के रक्षा विभाग का मुख्यालय) को नाइजीरिया में ईसाइयों पर हो रहे अत्याचार को रोकने के लिए संभावित सैन्य कार्रवाई की योजना बनाने का आदेश दिया था। हाल में अमेरिकी विदेश विभाग ने यह भी घोषणा की थी कि ईसाइयों के खिलाफ हत्या और हिंसा में शामिल नाइजीरियाई लोगों और उनके परिवारों के वीजा पर पाबंदी लगाई जाएगी।

अमेरिकी रिपोर्ट पर ड्रैगन का गुस्सा: चीन ने भारत–पाक सहयोग पर पेंटागन के दावों को 'अफवाह' बताया

चीन ने पेंटागन की एक रिपोर्ट को सिरे से खारिज कर दिया है, जिसमें बीजिंग पर भारत के साथ सीमा पर तनाव कम करने का इस्तेमाल अमेरिका–भारत संबंधों को कमजोर करने और पाकिस्तान के साथ रक्षा सहयोग को मजबूत करने का आरोप लगाया गया था। चीन ने इसे झूठी कहानियों के ज़रिए अशांति फैलाने की कोशिश बताया। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लिन जियान ने गुरुवार को एक मीडिया ब्रीफिंग में अमेरिकी कांग्रेस को सौंपी गई अमेरिकी रक्षा विभाग की रिपोर्ट के बारे में पूछे जाने पर कहा, ष्पेंटागन की रिपोर्ट चीन की रक्षा नीति को तोड़–मरोड़ कर पेश करती है, चीन और दूसरे देशों के बीच अशांति फैलाती है, और अमेरिका के लिए अपनी सैन्य श्रेष्ठता बनाए रखने का बहाना ढूंढने का मकसद रखती है।ष उन्होंने कहा कि चीन इस रिपोर्ट का कड़ा विरोध करता है। अलग से, चीनी रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता झांग शियाओगांग ने भी पेंटागन की रिपोर्ट की आलोचना की, जिसमें रक्षा और अंतरिक्ष जैसे क्षेत्रों में चीन और पाकिस्तान के बीच बढ़ते सहयोग की ओर इशारा किया गया था, और एक सैन्य अड्डा स्थापित करने की योजनाओं का सुझाव दिया गया था। झांग ने एक अलग मीडिया ब्रीफिंग में कहा कि अमेरिका हर साल ऐसी रिपोर्ट जारी करता है, और वाशिंगटन पर चीन के आंतरिक मामलों में घोर हस्तक्षेप करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि रिपोर्ट ने चीन की राष्ट्रीय रक्षा नीति की गलत व्याख्या की और उसके सैन्य विकास के बारे में निराधार अनुमान लगाए, जबकि चीनी सशस्त्र बलों की सामान्य गतिविधियों को बदनाम किया। झांग ने पाकिस्तान के साथ चीन के बढ़ते रक्षा सहयोग के दावों पर सीधे जवाब देने से इनकार कर दिया। उन्होंने आगे कहा कि यह रिपोर्ट चीन के बारे में गलत विचारों और मजबूत भू–राजनीतिक पूर्वाग्रह को दर्शाती है, जो अंतरराष्ट्रीय समुदाय को गुमराह करने के लिए जिसे वह ''चीनी सैन्य खतरा'' कहता है, उसे बढ़ा–चढ़ाकर पेश करती है। झांग ने कहा, हम इस पर अपनी कड़ी असंतोष और कड़ा विरोध व्यक्त करते हैं, और अमेरिका से झूठी कहानियों को गढ़ना और टकराव और दुश्मनी को भड़काना बंद करने का आग्रह किया।

चीन भारत के साथ मजबूत संबंधों की पुष्टि करता है

भारत–चीन संबंधों पर रिपोर्ट में किए गए ज़िक्र पर प्रतिक्रिया देते हुए, लिन ने कहा कि बीजिंग नई दिल्ली के साथ अपने संबंधों को रणनीतिक और दीर्घकालिक दृष्टिकोण से देखता है। उन्होंने कहा, ष्हम भारत के साथ संचार को मजबूत करने, आपसी विश्वास बढ़ाने, सहयोग को बढ़ावा देने और मतभेदों को ठीक से संभालने और एक स्वस्थ और स्थिर द्विपक्षीय संबंध को आगे बढ़ाने के लिए तैयार हैं।ष वास्तविक नियंत्रण रेखा से संबंधित टिप्पणियों पर, लिन ने कहा, ष्सीमा का सवाल चीन और भारत के बीच का मामला है, और दोनों देशों के बीच मौजूदा सीमा स्थिति आम तौर पर स्थिर है और संचार चौनल सुचारू हैं।ष उन्होंने आगे कहा, ष्चीन संबंधित देश की निराधार और गैर–जिम्मेदाराना टिप्पणियों का विरोध करता है।ष

भारत–चीन के बारे में अमेरिकी रक्षा रिपोर्ट में क्या कहा गया

मंगलवार को कांग्रेस को सौंपी गई अपनी सालाना रिपोर्ट, जिसका टाइटल श्पीपल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना 2025 से जुड़े सैन्य और सुरक्षा विकासश था, में अमेरिकी रक्षा विभाग ने कहा कि चीन भारत के साथ वास्तविक नियंत्रण रेखा (स।ब) पर तनाव कम होने का फायदा उठाकर द्विपक्षीय संबंधों को स्थिर करने और अमेरिका–भारत के बीच करीबी संबंधों को रोकने की कोशिश कर रहा है। रिपोर्ट में अक्टूबर 2024 में ठत्वै शिखर सम्मेलन के मौके पर चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बीच हुई मुलाकात का जिक्र किया गया। इसमें बताया गया कि मुलाकात से दो दिन पहले स।ब पर बाकी बचे गतिरोध वाली जगहों से पीछे हटने के लिए एक समझौता हुआ था। रिपोर्ट के अनुसार, शी–मोदी की बातचीत से हर महीने उच्च–स्तरीय बातचीत की शुरुआत हुई, जिसके दौरान दोनों पक्षों ने सीमा प्रबंधन और संबंधों में भविष्य के कदमों पर चर्चा की, जिसमें सीधी उड़ानें, वीजा में आसानी और शिक्षाविदों और पत्रकारों का आदान–प्रदान शामिल है। रिपोर्ट में कहा गया है, ष्चीन के नेतृत्व ने श्मुख्य हितश शब्द का दायरा बढ़ाकर ताइवान और दक्षिण चीन सागर, सेनकाकू द्वीप समूह और पूर्वोत्तर भारतीय राज्य अरुणाचल प्रदेश में क्षेत्रीय विवादों के बीच चीन के संप्रभुता के दावों को शामिल किया है। इसमें रक्षा और अंतरिक्ष जैसे क्षेत्रों में चीन और पाकिस्तान के बीच सहयोग पर भी प्रकाश डाला गया, और कहा गया कि बीजिंग ने पाकिस्तान में एक बेस स्थापित करने पर भी ष्शायद विचार किया था। रिपोर्ट में कहा गया है कि चीन सक्रिय रूप से अतिरिक्त सैन्य सुविधाओं की जांच और योजना बना रहा है, और पाकिस्तान उन देशों में से एक है जहां चीन ने शायद एक बेस स्थापित करने पर विचार किया है।

पाकिस्तान ने चोरी से ईरान को परमाणु...पुतिन-बुश की 24 साल पुरानी सीक्रेट चौट आई सामने

राष्ट्रीय सुरक्षा अभिलेखागार ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और अमेरिकी राष्ट्रपति जॉर्ज डब्ल्यू बुश के बीच 2001 से 2008 तक हुई निजी बातचीत के विस्तृत, गोपनीय दस्तावेजों के हूबहू प्रतिलेख जारी किए हैं। इन दस्तावेजों से पाकिस्तान की परमाणु स्थिरता को लेकर दोनों के बीच गहरी चिंता का पता चलता है। जून 2001 में स्लोवेनिया में हुई अपनी पहली व्यक्तिगत मुलाकात के दौरान पुतिन ने पाकिस्तान को परमाणु हथियारों वाला एक सैन्य शासन बताया था। दस्तावेजों से पता चलता है कि जहां एक ओर अमेरिका सार्वजनिक रूप से 9/11 के बाद राष्ट्रपति परवेज़ मुशर्रफ के साथ आतंकवाद–विरोधी गतिविधियों के लिए घनिष्ठ साझेदारी बना रहा था, वहीं दूसरी ओर दोनों विश्व नेता निजी तौर पर उनके शासन को परमाणु अप्रसार के लिए एक बड़ी बाधा मानते थे। पुतिन विशेष रूप से मुखर थे और उन्होंने इस्लामाबाद पर लोकतांत्रिक दबाव की कमी के लिए पश्चिम की आलोचना की। पाकिस्तान के परमाणु कार्यक्रम के जनक ए.क्यू. खान की छाया इन दस्तावेजों पर स्पष्ट रूप से दिखाई देती है। 2004 में खान ने स्वीकार किया कि वह एक वैश्विक काला बाजार चला रहे थे जो ईरान, लीबिया और उत्तर कोरिया को परमाणु सेंट्रीफ्यूज के डिजाइन और सामग्री की आपूर्ति करता थाकृइस खुलासे ने बुश–पुतिन संबंधों में काफी तनाव पैदा कर दिया था। दस्तावेजों में सबसे अहम रूप से दोनों ही देश ईरान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर चिंता जताते हैं। पुतिन कहते हैं कि अभी तक यह साफ नहीं है कि ईरान के पास प्रयोगशालाओं में क्या है और वह कहां है लेकिन उनका पाकिस्तान के साथ सहयोग मौजूद है। इस पर बुश कहते हैं, मैंने इस बारे में मुशर्रफ से बात की है। मैंने उनसे कहा कि हमें ईरान और उत्तर कोरिया को ट्रांसफर को लेकर चिंता है। उन्होंने ए क्यू खान और उसके कुछ साथियों को जेल में डाला, फिर हाउस अरेस्ट में रखा। हम जानना चाहते हैं कि उन्हें क्या बताया गया है। मैं मुशर्रफ को लगातार याद दिलाता रहता हूं। या तो उन्हें कुछ पता नहीं है या फिर वे पूरी जानकारी नहीं दे रहे हैं। इसका जवाब देते हुए पुतिन कहते हैं, मेरी समझ के मुताबिक सेंट्रीफ्यूज में पाकिस्तानी मूल का यूरेनियम मिला है। इस पर बुश ने कहा कि हां, वही चीज जिसके बारे में ईरान ने आईएईए को नहीं बताया था। यह नियमों का उल्लंघन है।

17 साल बाद लौटे तारिक रहमान, बांग्लादेश की राजनीति में 'लोकतंत्र की रक्षा' का नया दांव

गुरुवार का दिन खास रहा जब 17 साल बाद बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी के वरिष्ठ नेता तारिक रहमान स्वदेश लौटे। ढाका के हज़रत शाहजलाल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उनके स्वागत के लिए हजारों समर्थक उमड़ पड़े। भारी सुरक्षा के बीच वे अपनी पत्नी जुबैदा और बेटी जैमा के साथ विमान से उतरे और नंगे पांव ज़मीन पर कदम रखा। बता दें कि तारिक रहमान को बांग्लादेश की राजनीति में एक प्रभावशाली लेकिन विवादित चेहरा माना जाता है। वह पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया के बेटे और दिवंगत राष्ट्रपति जियाउर रहमान के पुत्र हैं। लंबे समय से वे लंदन में निर्वासन का जीवन बिता रहे थे और 2018 से बीएनपी के कार्यकारी अध्यक्ष के रूप में पार्टी का नेतृत्व कर रहे थे। मौजूद जानकारी के अनुसार, उनकी वापसी ऐसे वक्त हुई है जब देश में अंतरिम सरकार सत्ता में है। अगस्त 2024 में छात्र आंदोलन के बाद प्रधानमंत्री शेख हसीना को सत्ता छोड़नी पड़ी थी, जिसके बाद नोबेल पुरस्कार विजेता मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व में अंतरिम सरकार बनी। इस सरकार ने फरवरी 2026 में आम चुनाव कराने की घोषणा की है। गौरतलब है कि तारिक रहमान की मां और पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया इस समय गंभीर रूप से बीमार हैं और नवंबर से अस्पताल में भर्ती हैं। ऐसे में पार्टी और समर्थकों की नजर अब तारिक रहमान पर टिकी है, जिन्हें भावी प्रधानमंत्री के रूप में देखा जा रहा है।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।